राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण शनिवार,03 जुलाई-2021 वर्ष-4, अंक - 160 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

पुलवामा मुठभेड़ में 2 और आतंकवादी ढेर, कुल 5 मारे गये

श्रीनगर।

दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले के हंजिन राजपोरा इलाके में शुक्रवार को आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच जारी मुठभेड़ में दो और आतंकवादी मारे गए हैं, जिसमें मारे गए आतंकवादियों की संख्या पांच हो गई है। मारे गए पांच आतंकियों में लश्कर-ए-तैयबा का जिला कमांडर और एक विदेशी आतंकी शामिल है। पुलिस ने कहा, पुलवामा मुठभेड़ में मारे गए पांच आतंकवादियों में लश्कर-ए-तैयबा का जिला कमांडर निशाज लोन उर्फ खताब और एक पाकिस्तानी आतंकवादी शामिल हैं। आईजीपी कश्मीर विजय कुमार ने ऑपरेशन को बड़ी कामयाबी करार दिया है। इससे पहले, पुलिस और सेना की एक संयुक्त टीम ने इलाके को घेर लिया और आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशेष जानकारी के आधार पर तलाशी अभियान शुरू करने के बाद आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच गोलीबारी हुई। जैसे ही सुरक्षा बल उस स्थान पर पहुंचे, जहां आतंकवादी छिपे हुए थे, तो गोलीबारी शुरू हो गई।

मंत्री सही नहीं, तो प्रधानमंत्री इस संबंध में कार्रवाई करेंगे,

-सुप्रीमकोर्ट ने कहा- अदालत इस संबंध में कुछ नहीं कर सकती

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने केन्द्रीय मंत्री वीके सिंह के खिलाफ दायर उस याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया, जिसमें दावा किया गया था कि चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारत की आधिकारिक स्थिति पर टिप्पणी कर उन्होंने अपनी शपथ का उल्लंघन किया है। न्यायालय ने कहा, अगर मंत्री सही नहीं है, तो प्रधानमंत्री इस संबंध में कार्रवाई करेंगे, अदालत कुछ नहीं कर सकती। प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण, न्यायमूर्ति एएस बोपन्ना और न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय की एक पीठ ने इस टिप्पणी के साथ ही तमिलनाडु के निवासी याचिकाकर्ता चंद्रशेखरन रामासामी की याचिका खारिज कर दी। पीठ ने कहा, अगर आपको किसी मंत्री का बयान पसंद नहीं आया, तो इसका मतलब यह नहीं है कि आप याचिका दायर कर उसे बयान वापस लेने के लिए कहेंगे। अगर मंत्री सहीं नहीं है, तो प्रधानमंत्री इस संबंध में कार्रवाई करेंगे, अदालत कुछ नहीं कर सकती। पीठ ने याचिकाकर्ता से कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि आप वैज्ञानिक हैं, इसलिए आपको अपनी क्षमता का उपयोग देश के लिए कुछ करने के लिए करना चाहिए। हम याचिका खारिज कर रहे हैं। याचिका में केन्द्र को यह निर्देश देने का अनुरोध किया गया था कि वह यह घोषणा करे कि केन्द्रीय मंत्री जनरल (सेवानिवृत्त) वीके सिंह ने चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारत की स्थिति के संबंध में कथित टिप्पणी कर अपनी शपथ का उल्लंघन किया है।

कश्मीर में आतंक की कमर तोड़ने के लिए अब सुरक्षाबलों का साथ महिला सैनिक

श्रीनगर। कश्मीर में सुरक्षा संबंधी अभियान चलाने वाले पुरुष जवानों को अब घाटी में शांति बनाए रखने में असम राइफल्स की महिला सुरक्षाकर्मियों का साथ मिलेगा। अधिकारियों ने कहा कि कश्मीर के कुछ इलाकों में असम राइफल की महिला सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है, जहां वे मोटर-वाहन जांच चौकियों पर महिलाओं और बच्चों की तलाशी लेने में पुरुष सैनिकों की मदद करेंगी। उन्होंने कहा कि वे घेराबंदी और तलाशी अभियान के दौरान घर-घर जाकर तलाशी लेने में भी मदद करेंगी। हालांकि अपनी प्राथमिक भूमिका से इतर ये सुरक्षाकर्मी कश्मीर को लेकर मिथकों को तोडने और स्थानीय छात्राओं को बड़े सपने देखने तथा जीवन में ऊंचा लक्ष्य तय करने के लिये प्रेरित करने को लेकर खुश हैं। पश्चिम बंगाल के वर्धमान जिले से संबंध रखने वाली राइफलवुमेन रेखा कुमारी ने एक महीने पहले घाटी आने से पूर्व मणिपुर और नगालैंड में सेवाएं दीं हैं। रेखा कुमारी ने कहा, 'कश्मीर आने को लेकर चिंताएं और डर था लेकिन हम राष्ट्र की सेवा के लिये यहां आए। इसके अलावा, कश्मीर के बारे में बहुत अधिक मिथक हैं। यहां के लोग अच्छे हैं और उनसे बात करके हमें अच्छा लगता है।' उन्होंने कहा कि तलाशी अभियानों के दौरान राइफलवुमेन सशस्त्र कर्मियों के नर्म रुख को स्थानीय जनता के सामने पेश करती हैं। रेखा कुमारी ने कहा, 'हम महिलाएं हैं और हमें महिलाओं के लिये काम करना है। इसलिए हम आम बातचीत से शुरू करते हैं।... हम यहां उनकी सेवा करने के लिए हैं।' महाराष्ट्र की निवासी राइफलवुमेन रुपाली धनगर कहती हैं, 'हम वे सभी काम करते हैं जो पुरुष सैनिक करते हैं। हम गेट पर, बंकरों में तैनात रहते हैं। हम घेराबंदी और तलाशी अभियानों में जाते हैं। किसी तरह का डर नहीं लगता। यह हमारे काम का हिस्सा है।'

मप्र में कोरोना प्रभावितों के घर-घर जाएगी कांग्रेस

भोपाल। मध्य प्रदेश में कांग्रेस कोरोना प्रभावितों की मदद के लिए हर संभव प्रयास जारी रखेगी, प्रभावितों को मुआवजा मिले इसके लिए सरकार घर-घर में दस्तक देगी। अभा कांग्रेस कमेटी के सचिव और प्रदेश सह प्रभारी सुधांशु त्रिपाठी और सी.पी. मित्तल ने शुक्रवार को भोपाल, शाजापुर, देवास एवं अन्य जिलों से आये कांग्रेसजनों से मुलाकात कर संगठनात्मक चर्चा की। कहा गया कि, संगठन स्तर पर आयोजित गतिविधियों को मजबूती के साथ जनता के बीच हमें पहुंचना है। कोरोना काल की भयावह स्थितियों से प्रदेश की जनता अभी तक उबर नहीं पा रही है। भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों से पूरा देश-प्रदेश हलकान है। प्रदेश में बढ़ती महंगाई, पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि से जनता परेशान है। प्रदेश में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं बची है, प्रदेश में जंगल राज कायम हो गया है। प्रदेश में शिवराज सरकार नहीं, शवराज प्रदेश बन गया है। त्रिपाठी और मित्तल ने कहा कि कोरोना महामारी का दौर हम सबने देखा, हर व्यक्ति परेशान रहा है। खासकर मध्यम और गरीब वर्ग के लोगों को दो वक्त का खाना नसीब होना दूभर हो गया

सीडीएस जनरल बिपिन रावत की दो-टूक,

लद्दाख में यथास्थिति बहाल न हुई तो अप्रत्याशित कदम उठा सकता है भारत

नई दिल्ली।

भारत और चीन सामान्य तरीके से पूर्वी लद्दाख में पूर्व वाली यथास्थिति बहाल करने में सक्षम हैं क्योंकि क्षेत्र में शांति और स्थिरता रहे, यह दोनों देशों के हित में है। यह बात तीनों सेनाओं के प्रमुख (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत ने कही है। थिंक टैंक के एक कार्यक्रम में जनरल रावत ने कहा, भारत कोई भी अप्रत्याशित कदम उठाने के लिए तैयार है, जैसा कि पूर्वी लद्दाख इलाके में उसने उठाया था। हमने सभी को हमेशा तैयार रहने के लिए कहा है। चीजों को हल्के में न लें। हम कोई भी अप्रत्याशित कदम उठाने और जवाब देने के लिए तैयार हैं। जैसा हमने भूतकाल में किया है, वैसा हम भविष्य में करने में भी सक्षम हैं।जनरल रावत ने यह बात एक सवाल के जवाब में कही। जाहिर है भूतकाल में उठाए कदम से उनका आशय पैंगोंग लेक इलाके में ऊंचाई वाले इलाकों में मई 2020 में रातों-रात सेना की तैनाती थी। इसके बाद घुसपैठ करने वाली चीनी सेना भारतीय सैनिकों के निशाने पर आ गई थी और उसी के बाद चीन के तेवर ढीले पड़ गए थे और वहां से चीनी सैनिकों को वापस अपनी सीमा में लौटना पड़ा था। इस समय डेप्सांग समेत कुछ इलाकों में चीनी सैनिक काबिज हैं और अपनी मौजूदगी को मजबूत कर रहे हैं। चीन के अवैध कब्जे वाले इलाकों में सामान्य स्थिति की बहाली के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में जनरल रावत ने कहा, दोनों पक्ष राजनीतिक, कूटनीतिक और सैन्य स्तर पर बातचीत जारी रखें, समस्या का शांतिपूर्ण निदान निकल आएगा। इसमें थोड़ा समय लग सकता है लेकिन सामान्य तरीके से यथास्थिति बहाल करने का यही एकमात्र तरीका है। तीनों सेनाओं के प्रमुख सीडीएस जनरल रावत ने कहा कि अगर पहले वाली यथास्थिति पैदा नहीं होती है तो जाहिर है कि अप्रत्याशित घटनाओं का खतरा बना रहेगा। इसलिए दोनों देशों को समझ लेना चाहिए कि पूर्व वाली स्थिति कायम होना क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए जरूरी है। एक अन्य सवाल के जवाब में जनरल रावत ने कहा, चीन अगर पीछे हटने के अपने वचन से मुकरता है तो भारत भी अपने इलाके को वापस पाने के लिए सेना और संसाधन बढ़ाएगा।

जम्मू-कश्मीर के डीजीपी बोले-

ड्रोन हमले में आतंकवादी लश्कर का हाथ

नेशनल डेस्क:

केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक दिलबाग सिंह ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में ड्रोन के जरिए हथियार, विस्फोटक तथा नशीले पदार्थ गिराने के पीछे पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद समूह का हाथ है। सिंह ने कठुआ जिले में 27वें बेसिक रिक्रूटमेंट ट्रेनिंग कोर्स (बीआरटीसी) के पासिंग-आउट परेड के बाद पत्रकारों से कहा कि आतंकवाद के खात्मे और शांति एवं विकास की शुरुआत करने का समय आ गया है। आतंकवाद का सफाया करने के लिए आतंकवाद विरोधी अभियानों में और तेजी लाई जाएगी और सुरक्षा परिदृश्य को बेहतर बनाया जाएगा। उन्होंने कहा, '' भारतीय वायुसेना स्टेशन के अंदर दोहरे ड्रोन हमलों के पीछे लश्कर का हाथ होने का संदेह है। हथियार और विस्फोटक गिराने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल एक खतरा है और हम जवाबी कदम उठा रहे हैं।%% उन्होंने बताया कि यहां नरवाल क्षेत्र में आतंकवाद ठिकाने का पता लगाकर एक आतंकवादी को गिरफ्तार कर उसके पास से 5.5 किलोग्राम विस्फोटक बरामद किया गया , जो भीड़-भाड़ वाली जगह पर विस्फोट करने की योजना बना रहा था।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का उद्देश्य प्रत्येक किसान को सुरक्षा कवच प्रदान करना है: कृषिमंत्री तोमर

नई दिल्ली।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने आज फसल बीमा योजना जागरूकता अभियान की शुरुआत की। देश की आजादी की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर केंद्र सरकार की % आजादी का अमृत महोत्सव% पहल के तहत आज से योजना के लिए विशेष फसल बीमा सप्ताह की शुरुआत हुई। इस अवसर पर जागरूकता अभियान चलाया गया है।

मंत्री तोमर ने कहा कि फसल बीमा योजना का उद्देश्य प्रत्येक किसान को सुरक्षा कवच प्रदान करना है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि इस योजना ने किसानों को 95,000 करोड़ रुपये के दावों का भुगतान कर एक मील का पत्थर हासिल किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) के क्रियान्वयन में राज्य सरकारों और बीमा कंपनियों की अहम भूमिका है। यह उनकी मेहनत का ही नतीजा है कि पिछले चार वर्षों में किसानों द्वारा 17 हजार करोड़ रुपये का प्रीमियम जमा किया गया, जिसके एवज में दावों के रूप में उन्हें 95 हजार करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया गया है। उन्होंने कहा कि देश में इस योजना का विस्तार करने की जरूरत है ताकि इसका दायरा बढ़ाया जा सके और अधिक किसानों को लाभ मिले। कृषिमंत्री ने आईईसी वैनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जो फसल बीमा सप्ताह के दौरान प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) के बारे में किसानों को जागरूक करेंगे।

उन्होंने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, इसके लाभों और फसल बीमा की प्रक्रिया को समझने में किसानों की सहायता के लिए पीएमबीएफवाई ई-ब्रोशर, एफएक्यू बुकलेट और एक गाइडबुक भी लॉन्च की।

पूरे फसल बीमा सप्ताह के दौरान, यह अभियान खरीफ 2021 सीजन के तहत सभी अधिसूचित क्षेत्रों/जिलों को कवर करेगा, जिसमें कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा चिन्हित किये गए उन 75 आकांक्षी / जनजातीय जिलों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा जहां फसल बीमा की पहुंच कम है।

हिंसा के हर आरोप पर दर्ज हो एफआईआर

-हाईकोर्ट का आदेश पीड़ित को राशन दे बंगाल सरकार

कोलकाता।

बंगाल में चुनाव बाद हिंसा पर कलकत्ता हाईकोर्ट ने हिंसा के हर मामले में एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने कहा है कि पीड़ितों की हर शिकायत पर एफआईआर दर्ज की जाए। कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि सभी पीड़ितों को मेडिकल सुविधा मुहैया कराई जाए और उन्हें सरकार की तरफ से राशन तक दिया जाए। हाईकोर्ट ने कहा है कि जिनके पास राशन कार्ड नहीं है, उनको भी राशन की सुविधा उपलब्ध करानी होगी। कोर्ट ने कहा कि इसके साथ ही बीजेपी की एक कार्यकर्ता जिसकी हत्या हुई थी उसका दोबारा पोस्टमार्टम करवाने के आदेश भी दिए। कलकत्ता हाईकोर्ट ने जाधवपुर के डीएम और एसपी को नोटिस जारी किया है जहां एनएचआरसी की टीम पर हमला हुआ था। केस दर्ज किए जाने का आदेश देने के साथ ही हाई कोर्ट ने मामलों की जांच कर रहे मानवाधिकार आयोग की टीम के कार्यकाल को भी बढ़ा दिया है। अब राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की टीम चुनावी हिंसा के मामलों की 13 जुलाई तक जांच करेगी। इसी दिन इस मामले की अगली सुनवाई की तारीख उच्च न्यायालय ने तय की है। कोर्ट ने राज्य के चीफ सेक्रेटरी से कहा है कि वह चुनाव के बाद हुई हिंसा से जुड़े मामलों के सभी दस्तावेजों को सुरक्षित रखें।

राजधानी दिल्ली के कई इलाकों में हुई बारिश, लोगों को मिली गर्मी से राहत

नेशनल डेस्क:

राजधानी दिल्ली में शुक्रवार को कई इलाकों में बारिश की बौछारें हुईं, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली। पिछले कई दिनों से दिल्ली समेत उत्तर भारत में लू के थपेड़ों से लोगों का हाल बेहाल है। शुक्रवार को दिल्ली के चाणक्यपुरी, लाजपत नगर समेत कई इलाकों में बारिश हुई। इससे पहले गुरुवार को दिल्ली मेंलोगों को लू के जबरदस्त थपेड़ों का सामना करना पड़ा और अधिकतम तापमान 43.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो इस मौसम के सामान्य तापमान से पांच डिग्री अधिक है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। मैदानी इलाकों में अधिकतम तापमान के 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहने और सामान्य से कम से कम 4.5 डिग्री अधिक रहने पर लू की आशंका जताई जाती है। न्यूनतम तापमान सामान्य से चार डिग्री अधिक 31.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सापेक्ष आर्द्रता का स्तर शाम को 29 प्रतिशत दर्ज किया गया।

भारत में राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान में कोविड-19 टीके की 33.57 करोड़ से ज्यादा खुराक दी

नई दिल्ली।

भारत में कोविड-19 टीकाकरण अभियान के तहत प्रदान किए जा चुके टीकों की खुराक की संख्या 33.57 करोड़ से ज्यादा हो गयी। एक अस्थायी रिपोर्ट के अनुसार आज सुबह सात बजे तक 44,75,791 सत्रों में देश में कोविड-19 के टीके की कुल 33,57,16,019 करोड़ खुराक दी जा चुकी है। पिछले 24 घंटे में टीके की 27,60,345 खुराक दी गयीं। कोविड-19 टीकाकरण को सबके लिए उपलब्ध कराने का नया चरण 21 जून, 2021 को शुरू हुआ। केंद्र सरकार पूरे देश में टीकाकरण की रफ्तार और गुंजाइश बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत में पिछले 24 घंटे में 48,786 नये मामले दर्ज किए गए हैं। लगातार 4 दिनों से 50,000 से कम दैनिक नये मामले दर्ज किए जा रहे हैं। यह केंद्र और राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के सहयोग से किए जा रहे सतत प्रयासों का नतीजा है। भारत में कोविड-19 के सक्रिय मामलों की भी संख्या लगातार घट रही है। सक्रिय मामलों की संख्या गिरकर आज 5,23,257 हो गयी। पिछले 24 घंटे में सक्रिय मामलों की संख्या में कुल 13,807 की कमी आयी है। यह अब देश के कुल कोविड पॉजिटिव मामलों का केवल 1.72 प्रतिशत है। साथ ही ज्यादा लोगों के कोविड-19 संक्रमण से उबरने के साथ लगातार 49वें दिन बीमारी से उबरने वाले लोगों की दैनिक संख्या कोविड-19 के दैनिक नए मामलों से ज्यादा है। पिछले 24 घंटे में बीमारी से 61,588 लोग उबरे हैं। पिछले 24 घंटे में दैनिक नये मामलों की तुलना में बीमारी से12,000 से ज्यादा (12,802) अधिक लोग उबरे हैं। भारत में महामारी के शुरू होने के बाद से पहले ही कुल 2,94,88,918 लोगों में कोविड-19 ठीक हो चुका है और पिछले 24 घंटे में बीमारी से कुल 61,588लोग उबरे हैं। बीमारी से उबरने की राष्ट्रीय दर भी बेहतर होकर 96.97प्रतिशत हो गयी है और इसमें लगातार वृद्धि हो रही है। भारत में जांच की क्षमता में महत्वपूर्ण वृद्धि के साथ पिछले 24 घंटे में कुल 19,21,450 जांच हुईं। इसके साथ देश में अब तक हुए जांच की कुल संख्या41.20करोड़ से ज्यादा (41,20,21,494) है। जहां एक तरफ पूरे देश में कोविड की जांच बढ़ गयी है, वहीं दूसरी तरफ साप्ताहिक पॉजिटिविटी रेट भी लगातार घट रहा है। साप्ताहिक पॉजिटिविटी रेट इस समय 2.64 प्रतिशत है जबकि दैनिक पॉजिटिविटी रेट आज 2.54 प्रतिशत हो गया। यह लगातार 24 दिनों से पांच प्रतिशत से कम बना हुआ है।

इस्लामाबाद में भारतीय उच्चायोग के ऊपर दिखा ड्रोन

इस्लामाबाद में भारतीय उच्चायोग के ऊपर दिखा ड्रोन, भारत ने उठाई जांच की मांग

नई दिल्ली:

इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग परिसर के ऊपर गत सप्ताह एक ड्रोन देखे जाने की घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए शुक्रवार को भारत ने पाकिस्तान से इसकी जांच कराने और यह सुनिश्चित कराने को कहा कि भविष्य में ऐसी सुरक्षा चूक दोबारा नहीं हो। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने डिजिटल माध्यम से संवाददाताओं को यह जानकारी दी। उनसे पाकिस्तान में भारतीय उच्चायोग के उपर ड्रोन देखे जाने की खबरों के बारे में पूछा गया था। बागची ने कहा, इस वर्ष 26 जून को इस्लामाबाद में भारतीय उच्चायोग के परिसर के उपर ड्रोन देखा गया था । इस मामले को आधिकारिक तौर पर पाकिस्तान की सरकार के समक्ष उठाया गया था।'' उन्होंने कहा, '' हम उम्मीद करते हैं कि (पाकिस्तान) इस घटना की जांच करायेगा और सुरक्षा में ऐसी चूक को दोबारा होने से रोकेगा। इससे पहले घटना की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया था कि भारतीय उच्चायोग इस मुद्दे को लेकर अपनी कड़ी आपत्ति पाकिस्तानी अधिकारियों के समक्ष दर्ज करा चुका है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले जम्मू वायु सेना स्टेशन पर 27 जून को विस्फोटकों से लदे ड्रोन से हमले की घटना घटी थी। सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार, पाकिस्तान स्थित आतंकियों द्वारा मानव रहित ड्रोन के जरिये भारत में प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की यह पहली घटना है। जम्मू कश्मीर में वायु सेना स्टेशन पर आतंकी हमले के बारे में एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि इस मामले की जांच चल रही है । आतंकवाद और आतंकी वित्तपोषण के बारे में हमारी 'कतई बर्दाश्त नहीं करने' की नीति है। उन्होंने कहा, ''हम आतंकवाद के हर स्वरूप की निंदा करते हैं और सभी देशों से अपेक्षा करते हैं कि वे सीमापार आतंकवादियों की आवाजाही, आतंकियों की पनाहगाह और उनके वित्त पोषण को खत्म करने के लिये विश्वसनीय कदम उठायेंगे।''

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, हम पाकिस्तान से उसके क्षेत्र में आतंकवाद के नेटवर्क एवं उसके छद्म स्वरूप के खिलाफ 'विश्वसनीय, पुष्ट करने योग्य एवं अपरिवर्तनीय' कदम उठाने तथा 26 नवंबर के मुम्बई हमले और पठानकोट हमले को अंजाम देने वालों को न्याय के शिकंजे में लाने की मांग करते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

कहीं गरमी, कहीं बारिश

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान भीषण गरमी और लू से तप रहे हैं, जबकि पूर्वोत्तर भारत और बिहार में थोड़ी और बारिश होने पर बाढ़ का खतरा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बुधवार को कहा कि 7 जुलाई तक उत्तर पश्चिम भारत के शेष हिस्सों में मानसून के आगे बढ़ने की संभावना नहीं। देश में मानसून की बारिश भी तब तक बेहद कमजोर रहेगी। मानसून की उत्तरी सीमा में 19 जून के बाद प्रगति नहीं हुई है। ऐसे में, वह अभी दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों, राजस्थान व पंजाब तक नहीं पहुंच पाया है। आईएमडी ने कहा है कि मध्य अक्षांश की पश्चिमी हवाओं के कारण मानसून कमजोर पड़ गया है। पूर्वी हवाएं आगे नहीं बढ़ पा रही हैं, तो मानसून भी ठहर गया है। अनुमान के अनुसार, पूर्वी हवाओं में 7 जुलाई से पहले जोर नहीं पैदा होगा। इसका अर्थ है, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब को बारिश के लिए करीब दस दिन तक इंतजार करना पड़ सकता है। 30 जून तक उत्तर-पश्चिम भारत में 10 प्रतिशत से अधिक बारिश दर्ज की गई है। मध्य भारत में 17 प्रतिशत अधिक, दक्षिण प्रायद्वीप पर चार प्रतिशत अधिक, पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में तीन प्रतिशत अधिक, पर दिल्ली तप रही है। और तो और, मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, राजस्थान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में अगले दो दिन व उससे अधिक समय तक लू चलने की संभावना है। विडंबना देखिए, अगले छह-सात दिनों के दौरान बिहार, पश्चिम बंगाल, सिक्किम और पूर्वोत्तर राज्यों में भारी वर्षा की संभावना है। जिन इलाकों में बारिश हुई है, वहां जरूरत से कुछ ज्यादा है। ज्यादातर खेतों में पानी लगा है, तो धान की बुआई के लिए किसानों को इंतजार करना पड़ रहा है। नदी, नाले लबालब हैं। खराब सड़कों पर पानी भरने से चलना मुहाल हुआ है, लेकिन दिल्ली में लोग बारिश और राहत के लिए तरस रहे हैं। कहीं ज्यादा, तो कहीं कम बारिश की वजह से खेती पर भी असर पड़ रहा है। पिछले साल भी असमय बारिश या गैर-आनुपातिक बारिश के चलते फसलों और उत्पादन पर असर पड़ा था। इसमें कोई शक की बात नहीं कि हम मौसम की अतिरेकी या प्रतिकूल स्थितियों से जूझने में बहुत सफल नहीं हैं। जब ज्यादा बारिश की स्थिति बनती है, तब भी हम आर्थिक या व्यावसायिक रूप से काफी प्रभावित होते हैं और जब कम बारिश होती है, तब भी हम जरूरत भर का पानी नहीं जुटा पाते। ऐसे में, अनेक बार नदियों को जोड़ने या नहरों का जाल बिछाने की बात होती है। सामूहिक रूप से किसानों और उनके साथ मिलकर स्थानीय प्रशासन को सोचना चाहिए कि खेतों में जमा होने वाले अतिरिक्त पानी को कैसे किसी सूखे तालाब या नदी तक पहुंचाया जाए। दूसरी ओर, गरमी और लू वाले इलाकों में भी जरूरी इंतजाम होने चाहिए। लोगों को राहत देने के लिए क्या प्रबंध किए जा सकते हैं? जल के अभाव से कैसे बचा जा सकता है? अधिक गरमी और लू की वजह से मौसमी बीमारियों में भी बढ़ोतरी होती है, अत- क्या व्यक्तिगत स्तर पर लोगों को पर्याप्त जागरूक किया गया है? क्या अस्पताल के स्तर पर तैयारियां पूरी हैं? अतिरेकी मौसम वाले देश भारत में प्राथमिक स्तर पर ही शिक्षण-प्रशिक्षण अनिवार्य रूप से मिलना चाहिए, ताकि लोग मौसम के साथ बेहतर तालमेल बिठा सकें।

'आज के ट्वीट

आदेश

जम्मू-कश्मीर में खत्म हुई 149 साल पुरानी 'दरबार मूव' प्रथा, अफसरों को आवास खाली करने का आदेश! हर साल खर्च होते थे 200 करोड़ रुपये

- पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

ग्रामीण भारत में आ रही गरीबी का दौर

-अशोक प्रवृद्ध

यह सत्य है कि भारत गांवों का देश है, और ग्रामीण भारत की आजीविका का मुख्य साधन खेती- किसानी है। गांवों में लोग कृषि और इससे सम्बन्धित पशुपालन आदि व्यवसाय अथवा मेहनत- मजदूरी करके अपनी आजीविका चलाते हैं । देश के बहुसंख्यक उपभोक्ता और निर्धन भी ग्रामीण भारत में ही रहते हैं। कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर गांवों को तेजी से अपनी चपेट में ले रही है। जागरूकता की कमी, कमजोर मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर व लचर स्वास्थ्य व्यवस्था के कारण हो रही मौतों से भय का वातावरण बन जाने के कारण खेती- किसानी व अन्य आर्थिक गतिविधियों पर इसका व्यापक असर पड़ा है। कोरोना की तेज रफ्तार का दुष्प्रभाव अब गांवों के आर्थिक स्वास्थ्य पर पड़ने लगा है। रोजी-रोटी के संसाधन संकुचित हो गए हैं। लॉकडाउन के कारण व्यापार वैसे ही मंदा है, ऊपर से बाजार नहीं मिल पाने से फसलोपज के समुचित मूल्य भी नहीं मिल रहे। महामारी के समय सुस्त हो चली भारतीय अर्थव्यवस्था ने सभी प्रकार से ग्रामीण क्षेत्रों पर व्यापक असर डाला है। गत एक वर्ष में कोरोना महामारी के संक्रमण का भय और लॉकडाउन के कारण गांवों में निर्धनता में और वृद्धि ही हुई है। गत वर्ष से ही बेरोजगारी बढ़ने के कारण उपयोग की जाने वाली वस्तुओं पर लोगों का व्यय कम हो रहा था। ऊपर से जनता के लिए किया जाने वाला विकास कार्य स्थिर था। जिसके कारण ग्रामीण अर्थव्यवस्था बैठ सा गया है, और अब गांवों में रहने वाले अधिकांश असंगठित क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों की आर्थिक स्थिति कराहने लगी है। एक वर्ष से अनियमित काम पाने के कारण कठिन स्थिति में गुजर बसर करने की उनकी कथाएं, उनके किस्से अब सामने आने लगे हैं। लोगों ने खाने में कटौती करनी शुरु कर दी है। खाद्य वस्तुओं के दाम बढ़ने से लोगों ने दाल खाना बंद कर दिया। लोगों को रोजगार देने वाली मनरेगा जैसी योजना उनके काम की मांग को पूरा नहीं कर पा रही। ग्रामीण भारत अपनी छोटी सी जमा पूँजी पर जीने को अभिशप्त है। यह स्थिति देश के किसी एक राज्य की नहीं, वरन झारखण्ड, बिहार, उत्तरप्रदेश, उड़ीसा, छतीसगढ़, मध्यप्रदेश सहित देश के अधिकांश राज्यों के ग्रामीण क्षेत्रों की कमोबेश यही स्थिति है। लोगों की यह दलील बेकार है कि अर्थव्यवस्था का बुरा दौर बीत चुका है और जरुरतमंदों के लिए सरकार ने बहुत सारे उपाय किए हैं। हकीकत यह है कि कोरोना की दूसरी तेज लहर के कारण ग्रामीण भारत में सभी प्रकार से निराशा के बादल मंडरा रहे हैं। कोरोना की मार से लोगों की आमदनी का स्रोत कम हुआ है, पहले की अपेक्षा लोग कम कमाने लगे हैं, और ग्रामीण भारत में निर्धनता का दौर आने लगा है। भारत गरीबी की और बढ़ने लगा है। देश से निर्धनता को समाप्त करने की मार्ग में यह स्थिति बाधा बनकर आ खड़ी हुई है। देश विभाजन के पश्चात देश में निर्धनता को कुछ कम कर विकास की मार्ग पर सरपट दौड़ने योग्य बनाने में हमें दशकों लगे थे। सरकारी जनकल्याण कार्यों से विगत कुछ वर्षों से देश में गरीबी कम करने की दर में वृद्धि दर्ज की गई थी। 2019 के गरीबी के वैश्विक बहुआयामी संकेतकों के अनुसार देश में 2006 से 2016 के बीच करीब सताईस करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर निकाला गया। लेकिन कोरोना काल में बन रही देश की अर्थव्यवस्था निर्धनों की संख्या में वृद्धि में सहायक सिद्ध होने लगी है और ग्रामीण भारत में एक बार फिर गरीबी का दौर आने लगा है। संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के अनुसार वर्ष 2019 में देश में करीब 36 करोड़, 40 लाख गरीब थे, जो कुल आबादी का 28 प्रतिशत है। अब कोरोना के कारण निर्धनता को प्राप्त होने से बढ़े गरीबों की संख्या इन गरीबों में जुड़ने से यह आकार और बढ़ेगी। कोरोना काल में शहरी क्षेत्रों के साथ ही ग्रामीण भारत में रहने वाले लाखों लोग भी गरीबी रेखा से नीचे आ गए हैं। मध्यम वर्ग सिकुड़ कर एक तिहाई रह गया है। देश में करोड़ों लोग या तो निर्धनता को प्राप्त हो चुके हैं, या फिर निर्धन होने के कगार पर खड़े हैं। लोगों ने खर्च कम कर दिया है अथवा वे खर्च करने के योग्य ही नहीं बचे हैं। आभूषण- जेवरात व जमीन-जायदाद तक लोगों ने बेच दीं। अपनी जीवन की सम्पूर्ण बचत गंवा दी है, जिससे भविष्य में भी उनके खर्च करने की क्षमता कम हो चुकी है। उधर केंद्र व राज्य सरकारों द्वारा किये जा रहे कार्यों, उठाये जा रहे कदमों, दिए जा रहे राहतों से भी यही प्रतीत होता है कि यही आर्थिक स्थिति अभी फिलहाल बनी रहेगी, अभी लोगों के बेरोजगार होने का सिलसिला जारी रहेगा, अभी लोगों को कम आमदनी पर गुजर- बसर करना सीखना ही होगा। महामारी की तरह इस दुःस्थिति से निकलने का मार्ग ढूंढना, रास्ता तय करना भी अभी दुष्कर है। एक आकलन के अनुसार भारत में कोरोना की इस दूसरी लहर में एक करोड़ से अधिक लोगों को अपनी नौकरी गंवानी पड़ी है। सेंटर फॉर मॉनिटिरिंग इंडियन इकोनॉमी के अनुसार मई में बेरोजगारी दर 12 प्रतिशत तक पहुंच गई। यद्यपि इस दूसरी लहर को काबू में करने के लिए कोई देशव्यापी लॉकडाउन नहीं लगाया गया, तथापि संक्रमण को काबू में करने के लिए राज्यों ने जिस तरह से लॉकडाउन किया है, उसका सीधा असर आम आदमी पर पड़ा है। कोरोना की दूसरी लहर में जहां रिकॉर्ड तोड़ महंगाई ने लोगों की कमर तोड़ दी है, वहीं एक वर्ष के भीतर दूसरे लॉकडाउन ने अब बेरोजगारी का बड़ा संकट खड़ा कर दिया है। कोरोना की शुरुआत से अब तक 97 प्रतिशत परिवारों की आय में काफी असर देखने को मिला है। भारी संख्या में लोगों का रोजगार छिनने के कारण शहरों के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी बुरी तरह प्रभावित हुई है और ग्रामीण इलाकों में बेरोजगारी दर की रफ्तार तेज हो गई है। इस बार गांव तक कोरोना के पहुंचने के कारण मनरेगा व अन्य सरकारी योजनाओं से मिलने वाली काम भी बंद कर दिए गए, जिससे गांव में भी लोगों के सामने रोजगार का संकट खड़ा हो गया। रिपोर्ट के मुताबिक देश की अर्थव्यवस्था अब पर्याप्त मात्रा में रोजगार नहीं दे सकती है। कोरोना की दूसरी लहर में नौकरी गंवाने वालों लोगों में असंगठित क्षेत्र के कामगारों की संख्या अधिक है। छोटे कारोबारियों पर लोक डाउन की मार से उनके समक्ष अपने व्यवसाय को चलाए रखने के लिए पूँजी, कर्मचारियों को वेतन देने का संकट खड़ा हो गया है। व्यवसायिक प्रतिष्ठान, कई प्रकार दूकानें आज भी बंद हैं, उनमें काम करने वाले लोग घर में बेरोजगार बैठे हैं। बाजार में मांग समाप्तप्राय होने से आपूर्ति श्रृंखला बाधित हो गई है। उल्लेखनीय है कि भारत की जीडीपी में सेवा क्षेत्र की करीब 57 प्रतिशत, औद्योगिक क्षेत्र की 30 प्रतिशत और शेष 13 प्रतिशत की हिस्सेदारी कृषि क्षेत्र की है। ग्रामीण भारत के अर्थव्यवस्था में खांटी खेती का हिस्सा कुल हिस्से का आधा अर्थात 50 प्रतिशत ही है, शेष हिस्सा गैरकृषि कार्यों का है, इनमें बुनियादी संरचनाओं की परियोजनाओं अथवा अन्यान्य स्रोतों से प्राप्त होने वाली धनराशि अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। लेकिन कोरोना की दूसरी लहर में ग्रामीण भारत में बुनियादी संरचनाओं अर्थात रुरल इन्फ्रास्ट्रक्चर के कार्यों पर भी व्यापक असर पड़ा है, सडक, आवास, सिंचाई आदि परियोजनाओं के कार्य रुके पड़े हैं। खरीफ फसलों की कटाई के बाद से जून तक गांवों में आजीविका के लिए खेती का काम नहीं होने से अर्थोपार्जन के लिए ग्रामीण मजदूरी पर निर्भर रहते हैं। कोरोना काल में विनिर्माण के सारे कार्य ठप होने से नकदी का प्रवाह रुक गया है। मनरेगा के अंतर्गत मिलने वाली काम से प्राप्त होने वाली मजदूरी श्रमिकों को आकर्षित नहीं कर पाती। हालांकि काम के घंटे इसमें कम है, परन्तु इसके बाद कोई अन्य काम नहीं होने से शेष घंटे बैठकर गुजारना पड़ता है और मनरेगा से प्राप्त मजदूरी की अल्प राशि से छोटे परिवार की आजीविका चलाना भी मुश्किल होता है। इसमें एक परिवार को वर्ष में सिर्फ सौ दिन ही काम मिलने की गारंटी है, शेष दिन कार्य का अभाव होने और कार्य दिवसों पर भी अनुबंध पर बहाल रोजगार कर्मियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मिलीभगत से होने वाली भ्रष्टाचार से यह ग्रामीणों के लिए नाकाफी सिद्ध हो रही है। कोरोना की दूसरी लहर में पिछले वर्ष की तुलना में प्रवासियों का गांवों की ओर पलायन अपेक्षाकृत कम हुआ है, लेकिन लॉकडाउन के कारण शहरों में भी काम बाधित होने से उनकी आमदनी पर असर पड़ा है, वे अपने परिजनों को भी पर्याप्त राशि नहीं भेज पा रहे हैं। इससे भी गांवों की अर्थव्यवस्था में नकदी का प्रवाह बाधित हुआ है। कोरोना की पहली लहर ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर खासा नकारात्मक प्रभाव डाला था, दूसरी लहर अथवा यह महामारी जितनी लंबी होगी, किसानों-खेतिहरों व मजदूरों की आमदनी व क्रय शक्ति भी उसी अनुपात में कमजोर होती जाएगी। अंतत- इससे गरीबी में ही इजाफा होगा। इसमें कोई शक नहीं कि कृषि और ग्रामीण भारत में देश को किसी भी संकट से निकालने की क्षमता अंतर्निहित है।

ज्ञान गंगा

नींद

जग्गी वासुदेव

इस धरती पर बहुत से लोगों को जागते हुए भी ध्यान करने में समस्या हो रही है। बहुत सारे लोगों की हालत ऐसी है कि अगर उन्होंने अपने आप को बहुत कुछ करके तैयार न किया हो तो वे, एक घंटे के लिए ध्यान में बैठने पर मुश्किल से तीन मिनट ही ध्यान की अवस्था में रह पाते हैं। बार- बार, बार-बार, वे एक क्षण उसमें होते हैं और फिर कहीं और पहुंच जाते हैं। अपनी नींद में ध्यान कैसे किया जाए, यह सोचने की बजाय, आप का ध्यान करने का समय चाहे जितना भी हो, उसकी गुणवत्ता को बढ़ाना बेहतर है। कम से कम अपनी नींद को तो अपने सोचने से मत बिगाड़िए। बस, अच्छी तरह से सोइए, जैसे कि कहते हैं, 'लकड़ी के कुंदे (टुकड़े) की तरह सोइए'। अगर आप इस तरह नहीं सो सकते तो एक बिल्ली या कुत्ते की तरह सोइए। आध्यात्मिकता को अपनी नींद में लाने की कोशिश मत कीजिए। बस ऐसे सोइए, जैसे कि आप मर गए हों। मरे हुए लोगों के शरीर कड़े हो जाते हैं पर वे सब कुछ भरपूर होने की गहरी अवस्था में होते हैं। उन्हें इस बात की कोई चिंता नहीं होती कि वे कैसे दिख रहे हैं? तो, इसी तरह से, जब आप सो रहे हों तो आप को इस बात की चिंता नहीं होनी चाहिए कि आप के साथ क्या हो रहा है? मैंने अमेरिका में एक बात देखी कि सुबह जब आप लोगों से मिलते हैं, तो बहुत से लोग पूछते हैं, 'क्या आप अच्छी तरह से सोये थे'? मुझे यह प्रश्न समझ नहीं आता था क्योंकि यह कोई मुद्दा ही नहीं था। पर अब मैं देखता हूं कि बहुत से लोगों के लिए नींद एक मुद्दा होती है। अगर आप अपनी नींद में ध्यान करने की कोशिश करेंगे तो नींद जरूर ही आपके लिए एक मुद्दा हो जाएगी। तो अपनी नींद को पूरी तरह से, भरपूर होने दीजिए। अगर आप एक मरे हुए आदमी की तरह सोना नहीं चाहते तो एक छोटे से शिशु की तरह सोइए। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार जॉन मैकान ने इस बारे में एक सुंदर बात कही। ओबामा के खिलाफ चुनाव हारने के बाद जब लोगों ने उनसे पूछा, 'आप कैसे हैं'? तो वे बोले, 'मैं एक छोटे से शिशु की तरह सो रहा हूं। हर दो घंटे में उठता हूं, रोता हूं और फिर सो जाता हूं'। यह उस आदमी के लिए बहुत ही अद्भुत बात थी। अगर हारने पर भी आप हंसी-मजाक कर सकते हैं, तो एक छोटे शिशु की तरह सो सकते हैं।

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती हैं।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धन हानि की संभावना है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

कन्या व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन हानि की संभावना है। व्यर्थ क विवाद में न पड़ें।

तुला व्यावसायिक योजना सफल होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मकर राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ के विवाद रहेंगे।

कुम्भ आर्थिक उन्नति के योग हैं। मांगलिक कार्यों में हिस्सेदारी लेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। रोजी रोजगार की दिशा में उन्नति होगी।

मीन व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के कारण तनाव हो सकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। धन लाभ की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

2022 चुनाव बहुजन समाज पार्टी के बदलते समीकरण - कितने सार्थक?

(लेखक- अशोक भाटिया)

आगामी कई राज्यों के चुनावों में मायावती ने ऐलान किया है कि बहुजन समाज पार्टी 2022 में यूपी चुनाव अपने बूते लड़ेगी , और ये रणनीति उत्तराखंड चुनाव में भी लागू रहेगी। मतलब, मायावती उत्तर प्रदेश में किसी भी राजनीतिक दल से गठबंधन नहीं करने जा रही हैं।राज्यों के मायावती 2022 का पंजाब चुनाव तो अकाली दल के साथ गठबंधन करने लड़ेंगी, लेकिन यूपी चुनाव में कोई गठबंधन नहीं करेंगी। इसके साथ ही उत्तराखंड के बारे में भी बीएसपी नेता ने ऐसा ही कहा है।2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में मायावती गठबंधन के साथ ही उतरी थीं। खास बात ये रही कि बिहार के जिस चुनावी गठबंधन में मायावती शामिल थीं, असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी भी उसका हिस्सा रही थी। यूपी की एक और पार्टी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी भी उसी गठबंधन में शामिल थी। ग्रैंड डेमोक्रेटिक सेक्युलर फ्रंट. फ्रंट के नेता उपेंद्र कुशवाहा रहे जो चुनाव बाद अपनी पार्टी के साथ नीतीश कुमार की जेडीयू में शामिल हो गये. फिलहाल वो जेडीयू के संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष हैं। असदुद्दीन ओवैसी के साथ गठबंधन को लेकर मायावती ने बड़े ही सख्त लहजे में रिएक्ट किया है और ये बात थोड़ी अजीब लगती है। आखिर मायावती को ओवैसी के साथ भी अखिलेश यादव जैसा ही कोई गठबंधन का कड़वा अनुभव हुआ है या फिर वो मुस्लिम समुदाय के बीएसपी का साथ न देने से खफा हैं।2012 में अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी के हाथों सत्ता गंवाने के बाद से मायावती ने कम से कम दो चुनावों में बड़ी उम्मीद के साथ मुस्लिम वोट बैंक को साधने की शिद्दत से कोशिश की , 2014 के आम चुनाव और 2017 के यूपी विधानसभा चुनावों में भी।2019 में भी देवबंद की एक रैली में मायावती के भाषण पर काफी विवाद हुआ था। भाजपा की तरफ से चुनाव आयोग में शिकायत भी की गयी थी। तब भाजपा नेता जेपीएस राठौर ने मायावती पर वोट के लिए धार्मिक उन्माद भड़काने जैसे बेहद गंभीर आरोप लगाये थे। बीएसपी नेता के जिस भाषण पर बवाल मचा था, उसमें मायावती कह रही थीं, मैं खासतौर पर मुस्लिम समाज के लोगों से ये कहना चाहती हूं कि आपको भावनाओं में बहकर, रिश्ते-नातेदारों की बातों में आकर वोट बांटना नहीं है , बल्कि, एकतरफा वोट देना है। तब मायावती सपा-बसपा गठबंधन के लिए वोट मांग रही थीं और साफ साफ कह रही थीं कि कांग्रेस को वोट न देकर वे सिर्फ गठबंधन को वोट दें ताकि भाजपा को सत्ता से बेदखल किया जा सके।2017 के चुनाव में मायावती को भाजपा को लेकर कोई संभावना तो रही नहीं होगी, इसलिए सारा फोकस अखिलेश यादव को दोबारा सत्ता में आने से रोक कर खुद लौटने की कोशिश रही। तब बीएसपी को मुस्लिम वोट दिलाने के लिए मायावती ने नसीमुद्दीन सिद्दीकी को जिम्मेदारी दे रखी थी और पूर्वी यूपी के मुस्लिम वोट के लिए मुख्तार अंसारी को सुधरने के नाम पर एक और मौका दिया था। नसीमुद्दीन सिद्दीकी जैसे उन दिनों बीएसपी के लिए वोट मांग रहे थे, वैसे ही फिलहाल सलमान खुर्शीद की अगुवाई में कांग्रेस के लिए समर्थन जुटाने की कोशिश कर रहे हैं।अखिलेश यादव के साथ चुनावी गठबंधन तोड़ते वक्त मायावती ने एक खास वजह भी बतायी थी। वोट ट्रांसफर न होना. असल में, गोरखपुर, फूलपुर और उसके बाद कैराना उपचुनाव में मायावती ने समाजवादी पार्टी के कैंडीडेट को सपोर्ट किया था और तीनों उपचुनावों में समाजवादी पार्टी के उम्मीदवारों की जीत की वजह वो बीएसपी के वोटों का ट्रांसफर होना मान कर चल रही थीं। शायद ये बात ही 2019 के आम चुनाव में सपा-बसपा गठबंधन का प्रमुख आधार भी रही होगी।2014 में जीरो बैलेंस में रहीं मायावती ने 2019 में 10 संसदीय सीटों पर जीत हासिल की थी, लेकिन अखिलेश यादव की पार्टी को महज 5 ही सीटें मिली थीं। मायावती के मैनपुरी पहुंच कर वोट मांगने से या जैसे भी मुलायम सिंह यादव तो संसद पहुंच गये, लेकिन डिंपल यादव चुनाव हार गयीं।बाद में भी मायावती को अक्सर भाजपा के सपोर्ट में खड़े देखा गया. लगता तो ऐसा ही है जैसे मायावती के शब्द भले अलग हों, लेकिन उनके स्टैंड खुल कर भाजपा के एजेंडे के सपोर्ट में हो गया है। ये ऐसा है जो मुस्लिम समुदाय को बीएसपी से दूर ही ले जा सकता है, नजदीक आने का तो सवाल ही पैदा नहीं होता। जब यूपी में नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ विरोध प्रदर्शन चल रहा और पुलिस एक्शन के शिकार मुस्लिम परिवारों से प्रियंका गांधी मिलने जातीं तो भाजपा से पहले मायावती ही कांग्रेस महासचिव के खिलाफ धावा बोल देतीं। जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटाने के मामले में भी मायावती ने खुल कर मोदी सरकार का सपोर्ट किया. आलम ये रहा कि धारा 370 पर सरकार के स्टैंड के खिलाफ बोलने पर मायावती ने दानिश अली को लोक सभा में बीएसपी के नेता के पद से भी हटा दिया। ऐसे कई मौकों पर कांग्रेस विरोध के नाम पर मायावती का स्टैंड भाजपा के सपोर्ट में ही नजर आया, जो मुस्लिम समुदाय को कभी मंजूर नहीं हो सकता। तभी तो कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने मायावती को भाजपा का अघोषित प्रवक्ता तक करार दिया है।आम चुनाव के दौरान मायावती खुद को प्रधानमंत्री पद के दावेदार के तौर पर भी पेश कर रही थीं। एक रैली में मायावती समझा रही थीं कि अगर चुनाव बाद उनको लखनऊ से कहीं दिल्ली शिफ्ट हो जाना पड़ा और बीएसपी के लिए नया नेता चुनना पड़ा तो वो दलित नहीं तो मुस्लिम ही होगा। मुलायम सिंह और लालू याद2022 चुनाव बहुजन समाज पार्टी के बदलते समीकरण - कितने सार्थक ? आगामी कई राज्यों के चुनावों में मायावती ने ऐलान किया है कि बहुजन समाज पार्टी 2022 में यूपी चुनाव अपने बूते लड़ेगी, और ये रणनीति उत्तराखंड चुनाव में भी लागू रहेगी। मतलब, मायावती उत्तर प्रदेश में किसी भी राजनीतिक दल से गठबंधन नहीं करने जा रही हैं।राज्यों के मायावती 2022 का पंजाब चुनाव तो अकाली दल के साथ गठबंधन करने लड़ेंगी, लेकिन यूपी चुनाव में कोई गठबंधन नहीं करेंगी।इसके साथ ही उत्तराखंड के बारे में भी बीएसपी नेता ने ऐसा ही कहा है। 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में मायावती गठबंधन के साथ ही उतरी थीं। खास बात ये रही कि बिहार के जिस चुनावी गठबंधन में मायावती शामिल थीं, असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी भी उसका हिस्सा रही थी। यूपी की एक और पार्टी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी भी उसी गठबंधन में शामिल थी। ग्रैंड डेमोक्रेटिक सेक्युलर फ्रंट. फ्रंट के नेता उपेंद्र कुशवाहा रहे जो चुनाव बाद अपनी पार्टी के साथ नीतीश कुमार की जेडीयू में शामिल हो गये. फिलहाल वो जेडीयू के संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष हैं। असदुद्दीन ओवैसी के साथ गठबंधन को लेकर मायावती ने बड़े ही सख्त लहजे में रिएक्ट किया है और ये बात थोड़ी अजीब लगती है। आखिर मायावती को ओवैसी के साथ भी अखिलेश यादव जैसा ही कोई गठबंधन का कड़वा अनुभव हुआ है या फिर वो मुस्लिम समुदाय के बीएसपी का साथ न देने से खफा हैं।2012 में अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी के हाथों सत्ता गंवाने के बाद से मायावती ने कम से कम दो चुनावों में बड़ी उम्मीद के साथ मुस्लिम वोट बैंक को साधने की शिद्दत से कोशिश की , 2014 के आम चुनाव और 2017 के यूपी विधानसभा चुनावों में भी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पेटीएम डिजिटल इंडिया के 6 साल पूरे होने पर 50 करोड़ रुपए के कैशबैक देगी

नई दिल्ली: डिजिटल भुगतान फर्म पेटीएम ने शुक्रवार को कहा कि डिजिटल इंडिया के छह साल पूरे होने के अवसर पर कंपनी उपभोक्ताओं और व्यापारियों के लिए कैशबैक कार्यक्रम शुरू करेगी, जिसके लिए 50 करोड़ रुपए निर्धारित किए गए हैं। पेटीएम ने एक बयान में कहा कि पेशकश के तहत वह भारत में व्यापारियों और उपभोक्ताओं को पेटीएम ऐप के जरिए किए गए प्रत्येक लेनदेन के लिए कैशबैक देगी। यह कार्यक्रम कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में विशेष अभियान के साथ देश भर के 200 जिलों में शुरू किया जाएगा।

रिलायंस इंफ्रा 4 सड़क संपत्तियों की बिक्री के लिए क्यूब हाईवे से कर रही बात

मुंबई। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड सिंगापुर स्थित क्यूब हाईवे के साथ अपनी 4 सड़क संपत्तियों को 1,430 करोड़ रुपये के उद्यम मूल्य पर बेचने के लिए बातचीत कर रही है। कंपनी बिक्री से मिलने वाली रकम का इस्तेमाल कर्ज घटाने में करेगी। सिंगापुर स्थित क्यूब हाईवे को आई स्क्वायर कैपिटल द्वारा बढ़ावा दिया जाता है, जो अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी, इंटरनेशनल फाइनेंस कॉरपोरेशन की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी और मित्सुबिशी कॉरपोरेशन और जापान ओवरसीज इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन सहित जापानी निवेशकों का एक संघ है। विकास के करीबी सूत्रों के मुताबिक, क्यूब हाइवे ने रिलायंस इंफ्रा की चार सड़क संपत्तियों में रुचि दिखाई है, जैसे कि डीएस टोल रोड प्राइवेट लिमिटेड, एनके टोल रोड प्राइवेट लिमिटेड, एसयू टोल रोड प्राइवेट लिमिटेड, तमिलनाडु में और जेआर टोल रोड प्राइवेट लिमिटेड राजस्थान में। 283 किलोमीटर की कुल लंबाई के साथ, सभी चार सड़क संपत्तियां 12 साल तक की शेष उपलब्ध रियायत अवधि के साथ परिचालन में हैं। क्यूब हाईवे ने 1,430 करोड़ रुपये के एंटरप्राइज वैल्यू की पेशकश की है और इससे होने वाली आय से रिलायंस इंफ्रा का कर्ज उस हद तक कम हो जाएगा। अगर यह डील हो जाती है तो रिलायंस इंफ्रा और क्यूब हाईवे के बीच यह दूसरा ट्रांजैक्शन होगा। जनवरी 2021 में, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने 3,600 रुपये से अधिक के उद्यम मूल्य के लिए दिल्ली-आगरा टोल रोड से क्यूब हाईवे में अपनी 100 प्रतिशत हिस्सेदारी की बिक्री सफलतापूर्वक पूरी की थी। रिलायंस इंफ्रा कर्ज घटाने के अभियान पर है। हाल ही में कंपनी ने प्रमोटर समूह और वीएसएफआई होल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड से 550 करोड़ रुपये जुटाने की घोषणा की - वर्डे इन्वेस्टमेंट पार्टनर्स, एलएलपी से संबद्ध। जुटाए गए धन का उपयोग दीर्घकालिक संसाधनों के लिए, सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए, भविष्य के विकास के लिए और ऋण को कम करने के लिए भी किया जाएगा। मार्च के अंत तक कंपनी का समेकित कर्ज 14,260 करोड़ रुपये और स्टैंडअलोन कर्ज 3,808 करोड़ रुपये था। इसका लक्ष्य मार्च 2022 के अंत तक कर्ज मुक्त होना है। रिलायंस इंफ्रा के पास 25,000 करोड़ रुपये से अधिक की ईपीसी ऑर्डर बुक है, दिल्ली में बिजली वितरण व्यवसाय 45 लाख ग्राहकों को सेवा प्रदान करता है और रक्षा निर्माण व्यवसाय है। कंपनी ने पिछले 20 वर्षों में 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं को निष्पादित किया है।

खुदरा एवं थोक कारोबार एमएसएमई श्रेणी में शामिल होंगे: गडकरी

नई दिल्ली:

केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को खुदरा एवं थोक कारोबार को एमएसएमई श्रेणी में शामिल करने की घोषणा की। गडकरी ने कहा कि एमएसएमई की नियमावली को संशोधित करने और इसमें खुदरा तथा थोक कारोबार को शामिल करने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि सरकार छोटे उद्योगों को सुदृढ़ करने और उन्हें भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास का इंजन बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि संशोधित नियमावली से तकरीबन ढाई करोड़ खुदरा और थोक कारोबारियों को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि एसएमएसई की श्रेणी से खुदरा और थोक कारोबारी बाहर रह गए थे जिन्हें शामिल कर लिया गया है। अब ये कारोबारी स्वयं को उद्यम पंजीकराण पोर्टल पर पंजीकृत करा सकेंगे और सभी लाभ ले सकेंगे।

BSE ने जून में सूचीबद्ध कंपनियों के खिलाफ निवेशकों की 192 शिकायतों का समाधान किया

बिजनेस डेस्क:

देश के प्रमुख शेयर बाजार बीएसई ने शुक्रवार को कहा कि उसने जून महीने में 141 सूचीबद्ध कंपनियों के खिलाफ निवेशकों की 192 शिकायतों का समाधान किया। बीएसई ने एक बयान में कहा कि उसने सक्रिय कंपनियों के खिलाफ 170 और निलंबित कंपनियों के खिलाफ 22 शिकायतों का निपटारा किया। बयान के मुताबिक जून में बीएसई को 172 कंपनियों के खिलाफ 232 शिकायतें मिलीं। बीएसई ने बताया कि उसे मिली कुल शिकायतों में 219 सक्रिय कंपनियों के खिलाफ और 13 निलंबित कंपनियों के खिलाफ थीं। इन कंपनियों में इनसेप्टम एंटरप्राइजेज लिमिटेड, जेके फार्माकेम लिमिटेड, गुजरात पर्सटॉर्प इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, गुजरात नर्मदा फ्लाईएश कंपनी लिमिटेड, टीम लैबोरेटरीज लिमिटेड, गुजरात मेडिटेक लिमिटेड, ब्लेजोन मार्बल्स लिमिटेड, सप्तक केम एंड बिजनेस लिमिटेड और इंटरनेशनल ट्रेड लिमिटेड शामिल हैं।

महामारी की मार, कैफे कॉफी डे ने ग्राहकों के ठिकानों से कई वेंडिंग मशीनें हटाईं

नई दिल्ली:

कॉफी श्रृंखला कैफे कॉफी डे (सीसीडी) का परिचालन करने वाली कॉफी डे ग्लोबल लि. ने पिछले वित्त वर्ष के दौरान महामारी की वजह से मांग प्रभावित होने के चलते ग्राहकों के अनुसार बने 30,000 कैबिनेट को छोड़ दिया है। इनका इस्तेमाल कॉफी की वेंडिंग मशीनों के लिए किया जाता है। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में सीडीजीएल की मूल कंपनी कॉफी डे एंटरप्राइजेज लि. ने कहा कि महामारी की स्थिति की वजह से ग्राहकों के ठिकानों से कई वेंडिंग मशीनें हटाई गई हैं। कॉफी डे ग्लोबल लिमिटेड (सीडीजीएल) ने 31 मार्च, 2021 को समाप्त वित्तवर्ष में 306.54 करोड़ रुपए का एकीकृत शुद्ध घाटा हुआ है। इस दौरान परिचालन से उसकी आय 73.4 प्रतिशत घटकर 400.81 करोड़ रुपए रह गई। जनवरी-मार्च तिमाही में, कंपनी का शुद्ध घाटा बढ़कर 94.81 करोड़ रुपए और परिचालन आय 61.4 प्रतिशत घटकर 141.04 करोड़ रुपए रही। इससे पिछले साल नए ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए कंपनी के वेंडिंग विभाग द्वारा ग्राहकों के ठिकानों पर कस्टम-मेड कैबिनेट लगाया जा रहा है। ये कैबिनेट फिक्स होते हैं और इन्हें हटाया नहीं जा सकता है। ऐसे में कंपनी को 29,996 कैबिनेट छोड़ने पड़े हैं। कंपनी के एक ऋणदाता ने अपने बकाए की वसूली के लिए दिवाला न्यायाधिकरण एनसीएलटी से भी संपर्क किया है। सीडीजीएल ने कहा, हालांकि, एनसीएलटी ने अभी दिवाला प्रक्रिया संबंधी आवेदन को कार्रवाई के लिए दाखिल नहीं किया है। एक अन्य ऋणदाता ने बकाया राशि की वसूली के लिए कानूनी कार्रवाई शुरू की है।

शेयर बाजार में लौटी रौनक

सेंसेक्स 166 अंक चढ़ा

नई दिल्ली:

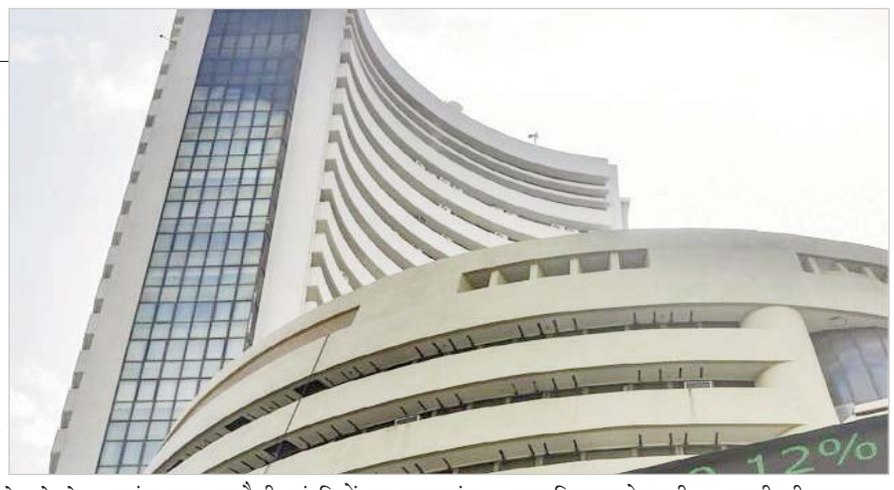

विदेशों से मिले मिश्रित संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में चार दिन बाद तेजी लौट आई। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 166.07 अंक यानी 0.32 प्रतिशत चढ़कर 52,484.67 अंक पर पहुंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 42.20 अंक यानी 0.27 प्रतिशत की मजबूती के साथ 15,722.20 अंक पर बंद हुआ। इससे पहले लगातार चार दिन दोनों सूचकांकों में गिरावट रही थी। सुबह बढ़त के साथ खुलने के बाद सेंसेक्स और निफ्टी गिरावट में चले गये थे लेकिन लिवाली बढ़ने से दोपहर बाद दुबारा हरे निशान में लौट आए। ऊर्जा, स्वास्थ्य, बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र की कंपनियों में लिवाली से बाजार में तेजी रही। बिजली और धातु समूहों की कंपनियों में बिकवाली से बाजार पर दबाव बना। छोटी कंपनियों में लिवाली का क्रम बना रहा। बीएसई का स्मॉलकैप 1.01 प्रतिशत उछलकर 25,567.26 अंक के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। मझौली कंपनियों का सूचकांक मिडकैप 0.05 फीसदी की बढ़त के साथ 22,505.82 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की 30 में से 16 कंपनियों में तेजी और 14 कंपनियों में गिरावट रही। आईसीआईसीआई बैंक का शेयर 1.53 प्रतिशत, रिलायंस इंडस्ट्रीज का 1.50 प्रतिशत और भारतीय स्टेट बैंक का 0.99 प्रतिशत मजबूत हुआ। टाटा स्टील में सबसे अधिक 2.36 फीसदी की गिरावट रही। पावरग्रिड का शेयर भी 1.23 फीसदी टूट गया। एशिया में चीन का शंघाई कंपोजिट 1.95 प्रतिशत, हांगकांग का हैंगसेंग 1.80 प्रतिशत और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.01 प्रतिशत लुढ़क गया। जापान के निक्केई में 0.27 प्रतिशत की मजबूती दर्ज की गई। यूरोपीय बाजारों में तेजी रही। शुरुआती कारोबार में जर्मनी का डैक्स 0.43 फीसदी और ब्रिटेन का एफटीएसई 0.12 प्रतिशत मजबूत हुआ।

गोवा बार और रेस्तरां मालिकों ने सरकार से कारोबार को फिर से खोलने का अनुरोध किया

पणजी।

गोवा के बार और रेस्तरां मालिकों ने राज्य सरकार से अनुरोध किया है कि वे अपने कारोबार को फिर से शुरू करने की अनुमति दें, क्योंकि पिछले कुछ हफ्तों में कोविड के मामलों में गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि लगातार बंद रहने के कारण वे लोग मनोवैज्ञानिक संकट का सामना कर रहे हैं। तटीय राज्य के दोनों जिलों में प्रशासनिक तंत्र द्वारा लागू किए गए कोविड मानदंडों के अनुसार, कैसीनो के साथ, रेस्तरां और बार को मेहमानों के मनोरंजन की अनुमति नहीं है। ऑल गोवा बार एंड रेस्तरां ओनर्स एसोसिएशन ने शुक्रवार को गोवा सरकार के एक प्रतिनिधित्व ने कहा, हमारे व्यवसाय बिना किसी राहत के ठप हो गए हैं। हमारा एकमात्र व्यवसाय है जिसका 90 प्रतिशत गोवावासियों के पास है। मालिक हताश हैं और किराए पर लेने और यहां तक कि अपने पैतृक व्यवसाय को किसी को बेचने के लिए तैयार हैं। हमारे व्यवसाय के लिए किसी भी रूप में राहत पर विचार नहीं किया गया है । मई में तटीय राज्य में बार और रेस्तरां को बंद कर दिया गया था, जब कोरोनोवायरस के मामले चरम पर थे, जबकि कोविड से संबंधित जटिलताओं के कारण दैनिक मृत्यु दर भी एक अभूतपूर्व उच्च देखी गई थी। दैनिक संक्रमण दर में गिरावट के साथ, जून की शुरूआत से प्रतिबंधित गतिविधियों की सूची में धीरे-धीरे ढील दी गई है, लेकिन बार और रेस्तरां को अपने परिसर में मेहमानों को अनुमति देने से रोक दिया गया है। हालांकि, रेस्तरां और कैफे को आधिकारिक तौर पर अपनी रसोई चलाने और अपने सामान की होम डिलीवरी करने की अनुमति दी गई है। एसोसिएशन ने अब दावा किया है कि लगातार बंद होने से बार और रेस्तरां के मालिकों में मनोवैज्ञानिक संकट पैदा हो गया है। एसोसिएशन ने अपने प्रतिनिधित्व में कहा हम सरकार द्वारा लगाए गए सभी एसओपी का पालन करने के लिए तैयार हैं। हमें कोविड का प्रकोप क्यों झेलना चाहिए? चूंकि पॉजिटिव मामले और मृत्यु दर कम हो गई है, इसलिए सरकार को संकट बिक्री, बंद होने और किराए पर लेने से बचने के लिए हमारे व्यवसाय को खोलने पर विचार करना चाहिए । एसोसिएशन ने यह भी दावा किया, बार और रेस्तरां बंद होने से राज्य में सब्जी, मांस, फल, मछली विक्रेता आदि के अन्य सभी सहायक व्यवसाय प्रभावित हुए हैं। समाज में मनोवैज्ञानिक संकट भी है। गोवा, अपने उदार उत्पाद शुल्क शासन के लिए जाना जाता है, जहां 10,000 से ज्यादा लाइसेंस प्राप्त बार और रेस्तरां हैं।

एनटीपीसी की ग्रीन पावर में 2.5 लाख करोड़ रुपये के निवेश की योजना

नई दिल्ली।

ग्रीन पावर पर बड़ा दांव लगाते हुए, देश की सबसे बड़ी बिजली उत्पादक एनटीपीसी ने बड़े पैमाने पर स्वच्छ बिजली के इस्तेमाल के लिए संसाधन जुटाने के लिए अगले वित्त वर्ष में अपनी अक्षय ऊर्जा सहायक की मेगा लिस्टिंग का प्रस्ताव रखा है। सरकार के सूत्रों ने कहा कि बिजली उत्पादक एनटीपीसी ग्रीन पावर में अगले दशक में अक्षय क्षमता के विस्तार पर करीब 2 लाख करोड़ रुपये से 2.5 लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगा, जिसका उद्देश्य इक्विटी समर्थन को बढ़ावा देना है। इसका एक बड़ा हिस्सा बाजार से जनता के माध्यम से भी आएगा। एनटीपीसी ने हाल ही में अपने अक्षय ऊर्जा क्षमता वृद्धि लक्ष्य को 30,000 से 60,000 मेगावाट 2032 तक दोगुना कर दिया है। इसका लक्ष्य अगले दशक में 50-50 का थर्मल-नवीकरणीय मिश्रण है। वर्तमान प्रयास में कंपनी के पास लगभग 1500 मेगावाट नवीकरणीय क्षमता है और लगभग 3,500 मेगावाट निमार्णाधीन है। एनटीपीसी शुद्ध ऊर्जा तीव्रता में भी 10 प्रतिशत की कटौती करेगी। इस संबंध में हर साल 7,000-8,000 मेगावाट नवीकरणीय क्षमता जोड़ने की योजना है। अक्षय विस्तार के लिए लगभग 50,000 करोड़ रुपये की इक्विटी की जरूरत है, जबकि शेष निवेश ऋण और बांड के मुद्दों से आएगा। इक्विटी का एक बड़ा हिस्सा बाजार योजना के माध्यम से जुटाया जाएगा ताकि अक्षय सहायक को सूचीबद्ध किया जा सके। पिछले साल अक्टूबर में, राज्य के स्वामित्व वाली एनटीपीसी ने एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड के नाम से अपने नवीकरणीय ऊर्जा व्यवसाय के लिए एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी को शामिल किया था।

उज्जैन की फल विक्रेता नाजमीन ने पीएम से संवाद के दौरान ऑनलाइन ट्रांजेक्शन किया

भोपाल।

डिजिटल इंडिया दिवस पर संपूर्ण देश में पीएम स्व-निधि योजना के लाभान्वित पथ विक्रेताओं से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीधे संवाद किया। उज्जैन की नाजमीन शाह से प्रधानमंत्री से बात की और ऑनलाइन प्रधानमंत्री को ऑनलाइन ट्रांजेक्शन कर दिखाया। उज्जैन की नाजमीन शाह फल विक्रय का कारोबार करती हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने वीडियो कॉफ्रेंसिंग के जरिए पूछा- नाजमीन शाह जी आप डिजिटल पेमेंट लेती हैं या नगद। इस पर नाजमीन ने कहा- सर कैश और डिजिटल दोनों तरह से पेमेंट लेती हूं। फल के ठेले पर क्यूआर कोड लगा रखा है। कस्टमर को डिजिटल पेमेंट करने के लिए कहती हूं। प्रधानमंत्री ने नाजमीन से ऑनलाइन ट्रांजेक्शन करने के लिए कहा तो उसने फल व्यापारी शुभम को 1520 रुपए मोबाइल से ऑनलाइन ट्रांजेक्शन करके दिखाया। नाजमीन ने कहा कि लॉकडाउन में हमारी आर्थिक स्थिति कमजोर हो गई। हमारे पास कुछ भी नहीं था।

हमने अखबार के माध्यम से पीएम स्व-निधि योजना को जाना। एमपी ऑनलाइन जाकर ऑनलाइन आवेदन अप्लाई किया। किस्तें भी सभी ऑनलाइन चुकाईं। नाजमीन शाह उज्जैन जिले की एक मात्र ऐसी महिला हैं, जिन्होंने हर ट्रांजेक्शन ऑनलाइन किया। वह डिजिटल नाजमीन के नाम से जानी जाती हैं।

उन्होंने एमपी ऑनलाइन के माध्यम से फॉर्म भरा और फीस ऑनलाइन दी। नगर निगम से अप्रूवल हुई और योजना में बैंक की किस्त भी ऑनलाइन जमा की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि जनधन, आधार-कार्ड और मोबाइल की शक्ति को अपनाकर मेहनतकश लोग सशक्त हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत सिर्फ टेक्नालॉजी बनाता नहीं है, बल्कि शहरी और ग्रामीण मेहनतकश लोग इसे अपनाकर व्यवसाय बढ़ाने का कार्य भी करते हैं। उज्जैन के देवास रोड स्थित नागझिरी चौराहे पर नाजमीन शाह फल का ठेला लगाती हैं।

उन्होंने 10 हजार रुपए का लोन भी समय पर लौटा दिया। इसके बाद उन्होंने 20 हजार का लोन फिर से लिया। यह लोन भी उन्होंने समय पर चुका दिया। इस बार नाजमीन को समय पर लोन चुकाने पर एक हजार रुपया कैश बैक भी मिला। नाजमीन ने बताया है कि उन्होंने प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना में सिलाई का काम भी सीखा है।

एडलवाइस समूह एडलवाइस गैलाघर इंश्योरेंस ब्रोकर्स में हिस्सेदारी बेचेगा

मुंबई।

एडलवाइस समूह ने शुक्रवार को एडलवाइस गैलाघर इंश्योरेंस ब्रोकर्स लिमिटेड (ईजीआईबीएल) में अपनी बाकी 70 प्रतिशत हिस्सेदारी 307.60 करोड़ रुपये में बेचने की घोषणा की। गैलाघर, जो पहले कारोबार में 30 फीसदी हिस्सेदारी रखते थे, अब बाकी सभी शेयरों का अधिग्रहण करेंगे, जिससे उनकी हिस्सेदारी 100 फीसदी हो जाएगी। एक नियामक फाइलिंग में कहा गया है कि लेनदेन भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण द्वारा अनुमोदन के अधीन है। मुंबई में मुख्यालय, देहली, कोलकाता और बैंगलोर में शाखाओं के साथ, ईजीआईबीएल पूरे भारत में ग्राहकों को सामान्य बीमा समाधान प्रदान करता है। व्यवसाय चार क्षेत्रों - कॉर्पोरेट, आत्मीयता और संघ, पुनर्बीमा और वैश्विक और डिजिटल समाधान में संचालित होता है । गैलाघर और एडलवाइस ने मई 2019 में एक साझेदारी में प्रवेश किया था जिससे इसे अंतर्राष्ट्रीय बाजारों और वैश्विक विशेषज्ञता तक व्यापक पहुंच मिल सके। इस साझेदारी ने भारत में गैलाघर की पहली उपस्थिति को चिह्नित किया और कंपनी को बढ़ते भारतीय बीमा बाजार में एक पहचान बनाई। ईजीआईबीएल के बाकी शेयरों के अधिग्रहण से गैलाघर के वैश्विक संचालन के साथ गहन एकीकरण में मदद मिलेगी, जिससे व्यापार को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाने में मदद मिलेगी। यह ग्राहकों को बीमा उत्पादों और सेवाओं के एक बड़े समूह तक पहुंच भी प्रदान करेगा। कारोबार आने वाले महीनों में गैलाघर को रीब्रांड करेगा। एडलवाइस समूह अपने जीवन और गैर-जीवन बीमा व्यवसायों को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करेगा, जो उद्योग में सबसे तेजी से बढ़ रहे हैं। एडलवाइस समूह के अध्यक्ष राशेश शाह ने कहा, हम व्यवसाय और ग्राहक के लिए जो सही है उसे करने में विश्वास करते हैं और गैलाघर के साथ व्यापार को एकीकृत करने से इसे वैश्विक बढ़त मिलेगी और हमारे उद्देश्यों को प्राप्त होगा। शाह ने कहा, यह हमें पूंजी को फिर से आवंटित करने और हमारे तेजी से बढ़ते जीवन और गैर-जीवन बीमा व्यवसायों को बढ़ाने में निवेश करने के लिए लचीलापन देता है, जिससे यह हम दोनों के लिए एक जीत है। यूरोप, मध्य पूर्व और एशिया में ग्लोबल ब्रोकिंग के गैलाघर चेयरपर्सन वायविएन वेड ने कहा कि कंपनी भारत को बीमा उद्योग के लिए और गैलाघर के लिए एक प्रमुख और रणनीतिक बाजार के रूप में देखती है, इसके पैमाने और विकास क्षमता को देखते हुए।

गोयल ने महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की समीक्षा की

बिजनेस डेस्क:

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने करीब 2.7 लाख करोड़ रुपए के अनुमानित निवेश वाली 20 महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की समीक्षा की। एक आधिकारिक बयान में शुक्रवार को कहा गया कि मंत्री ने परियोजनाओं को समय पर चालू करने के लिए लंबित मुद्दों का जल्द समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए और समयसीमा तय की। बयान के मुताबिक जिन परियोजनाओं की समीक्षा की गई, उनमें पूर्वी और पश्चिमी मार्गों पर समर्पित फ्रेट गलियारे और अमृतसर कोलकाता औद्योगिक गलियारा (एकेआईसी) शामिल हैं। गोयल ने बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की नियमित बहुस्तरीय निगरानी पर भी जोर दिया, जो देश में आर्थिक विकास और रोजगार सृजन के लिए महत्वपूर्ण हैं।

बयान में कहा गया, मंत्री ने करीब 2.7 लाख करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश वाली 20 महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के 59 मुद्दों की समीक्षा की। बैठक में रेलवे, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, सड़क परिवहन और राजमार्ग, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन सहित प्रमुख केंद्रीय मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। बैठक 29 जून को हुई।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डब्ल्यूटीसी फाइनल में भारत की हार का कारण था अति आत्मविश्वास : एलेस्टेयर कुक

लंदन । क्रिकेट की विश्व टेस्ट स्पर्धा के फाइनल मुकाबले में भारत को न्यूजीलैंड के हाथों 8 विकेट से करारी शिकस्त झेलनी पड़ी और कीवी टीम डब्ल्यूटीसी खिताब जीतने वाली पहली टीम बनी। भारत की हार के बाद से ही समीक्षा हो रही है और कमियों पर बात की जा रही है। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एलेस्टेयर कुक का मानना है डब्ल्यूटीसी फाइनल में भारत की हार का कारण अति आत्मविश्वास था। कुक ने न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के बारे में बात करते हुए कहा कि मौसम के मिजाज को देखते हुए भी भारत ने एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज की बजाय 2 स्पिनरों को चुनकर गलती की। उन्होंने कहा, 'मैच से तीन दिन पहले टीम चुनना और 2 स्पिनरों को उतारना अति आत्मविश्वास था जबकि उन्हें पता था कि मैच के दौरान बारिश हो सकती है। हालांकि इस दौरान उन्होंने डब्ल्यूटीसी फाइनल से पहले प्रैक्टिस मैच ना मिलना भी एक कारण बताया और कहा कि मैच अभ्यास का अभाव भी भारत की पराजय का एक कारण था। गौर हो कि भारतीय टीम पहली पारी में 217 पर ढेर हो गई थी। इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड को 32 रनों की मामूली बढ़त के साथ 249 पर रोक दिया। दूसरी पारी में भारतीय बल्लेबाजी सहित गेंदबाजी भी फ्लॉप रही। भारत ने 170 रन बनाते हुए कीवी टीम को 139 रन का लक्ष्य दिया।

महिला क्रिकेट : क्लीन स्वीप से बचने उतरेगी भारतीय महिला टीम

वॉरचेस्टर।

इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो वनडे मुकाबले हारकर पहले ही सीरीज गंवा चुकी भारतीय महिला टीम शनिवार को यहां होने वाले तीसरे वनडे मुकाबले में क्लीन स्वीप से बचने उतरेगी। भारत को पहले मैच में आठ विकेट से हार मिली थी जबकि दूसरे मैच में भी उसने बल्ला तथा गेंद दोनों से संघर्ष किया था। कप्तान मिताली राज जिन्होंने दोनों मैच में अर्धशतक लगाए हैं, उनके अलावा कोई बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। हालांकि, शैफाली वर्मा ने दूसरे मैच में कुछ योगदान दिया था जबकि सलामी बल्लेबाज स्मृति संधाना दोनों मैच में प्रभाव डालने में नाकाम रही हैं। भारतीय महिला टीम के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय हरमनप्रीत कौर की खराब फॉर्म है। वह दोनों मैचों में रन बनाने में नाकाम रही हैं जो टीम का बड़ा स्कोर नहीं कर पाने का एक अहम कारण है।भारतीय महिला गेंदबाजों को भी संघर्ष करना पड़ रहा है। भारतीय गेंदबाज जहां पहले मैच में पूरी तरह असफल रहे थे तो वहीं इन्होंने दूसरे मैच में इंग्लिश टीम की आधी टीम को पवेलियन भेजा था। लेकिन सोफी डंक्ली ने पारी को संभाल लिया।

इस मुकाबले के लिए दोनों टीमें इस प्रकार हैं :

इंग्लैंड : हीथर नाइट (कप्तान), फरान विल्सन, सोफिया डंकली, कैथरिन ब्रंट, नताली स्काइवर, मैडी विलियर्स, टैमी ब्यूमोंट, एमी एलेन जोन्स (विकेटकीपर), लॉरेन विनफील्ड हिल, एमिली एरलोट, कैट क्रॉस, फ्रेया डेविस, सोफी एक्लेस्टोन, नताशा फरांट, सराह ग्लेन और अन्या श्रुबसोले।

भारत : मिताली राज (कप्तान), स्मृति मंधाना, हरमनप्रीत कौर, पूनम राउत, प्रिया पुनिया, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रॉड्रिग्स, शैफाली वर्मा, स्नेह राणा, तानिया भाटिया, इंद्राणी रॉय, झूलन गोस्वामी, शिखा पांडे, पूजा वस्त्राकर, अरुंधति रेड्डी, पूनम यादव, एकता बिष्ट और राधा यादव।

दुती, अन्नु और जबीर सहित 15 एथलीटों और 2 रिले टीमों ने ओलंपिक के लिए किया क्वालीफाई

नई दिल्ली।

स्टार फर्राटा धाविका दुती चंद, भालाफेंक खिलाड़ी अन्नु रानी और 400 मीटर के बाधा धावक एम पी जबीर ने विश्व रैंकिंग के जरिए तोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया जबकि 2 रिले टीमों के क्वालीफिकेशन की भी विश्व एथलेटिक्स ने पुष्टि कर दी है। भालाफेंक स्टार नीरज चोपड़ा समेत 12 खिलाड़ियों ने ओलंपिक क्वालीफिकेशन मार्क हासिल करके स्वत: क्वालीफाई कर लिया जबकि दुती, रानी, जबीर और पुरूषों की चार गुणा 400 मीटर रिले टीम ने रैंकिंग के जरिये क्वालीफाई किया। दुती 100 ओर 200 मीटर में 56 खिलाड़ियों की सूची में क्रमशः 41वें और 50वें स्थान पर थी । वहीं रानी 32 में 18वें और जबीर 40 में 32वें स्थान पर थे। मिश्रित चार गुणा 400 मीटर रिले टीम ने भी ओलंपिक का टिकट कटाया। यह टीम 2019 विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंची थी। लंबी कूद के खिलाड़ी एम श्रीशंकर, शॉट पुट खिलाड़ी तेजिंदर पाल सिंह तूर, चक्काफेंक खिलाड़ी कमलप्रीत कोर और सीमा पूनिया ने इस साल क्वालीफाई किया। महिलाओं की चार गुणा 400 मीटर रिले टीम चूक गई जो 17वें स्थान पर थी जबकि 16 को ओलंपिक में जगह मिली। विश्व एथलेटिक्स ने एक बयान में कहा, 'ओलंपिक क्वालीफिकेशन की अवधि 29 जून को खत्म हो गई और अब विश्व एथलेटिक्स क्वालीफिकेशन तय हो गया है।'

विंबलडन में अंकिता महिला युगल के पहले दौर से बाहर, सानिया दूसरे दौर में पहुंची

लंदन ।

भारत की अंकिता रैना और उनकी जोड़ीदार अमेरिका की लॉरेन डेविस विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के महिला युगल के पहले दौर में हार के साथ बाहर हो गयी हैं। रैना और लॉरेन को अमेरिका की आसिया मोहम्मद और जेसिका पेगुला की जोड़ी ने सीधे सेटों में 6-3, 6-2 से हराया। अंकिता लगातार तीसरे ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में खेल रही थीं। उन्होंने इसी साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन के साथ ग्रैंडस्लैम में पदार्पण किया था। वहीं भारत की ही सानिया और अमेरिका की उनकी जोड़ीदार बेथानी माटेक सैंड्स महिला युगल के दूसरे दौर में पहुंच गई हैं पर रोहन बोपन्ना और दिविज शरण पुरुष युगल में पहले दौर से आगे नहीं बढ़ पाए। बोपन्ना और दिविज शरण पुरुष युगल वर्ग के पहले ही दौर में एडुआर्ड रोजर वेसलीन और हेनरी कोंटिनेन से 6-7, 4-6 से हारकर बाहर हो गए। सानिया और बेथानी ने धीमी शुरुआत के बाद लय हासिल कर ली और पहले दौर में मुकाबले में अमेरिका और चिली की जोड़ी को एक घंटा और 27 मिनट में 7-5 6-3 से हराया। सानिया 2005 से ही ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंटों में भारत का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। इससे पहले भारतीय-अमेरिकी शिखा ओबेरॉय ने 2004 में अमेरिकी ओपन के महिला एकल के लिए क्वॉलिफाई किया था और जापान की साओरी ओबाता के खिलाफ पहले दौर का मुकाबला जीता भी था, लेकिन इसके बाद वीनस विलियम्स से हार गई।

भारतीय तैराक माना पटेल को भी मिला ओलंपिक का टिकट

नई दिल्ली ।

भारतीय महिला तैराक माना पटेल को भी तोक्यो ओलंपिक का टिकट मिल गया है। भारतीय तैराकी महासंघ (एएफआई) के अनुसार माना की विश्वविद्यालय कोटा से तोक्यो ओलंपिक में भागीदारी की पुष्टि हो गयी है। माना तोक्यो खेलों में 100 मीटर बैकस्ट्रोक में भाग लेगी। वह इन खेलों के लिए क्वालीफाई करने वाली तीसरी भारतीय तैराक है। श्रीहरि नटराज और साजन प्रकाश ने हाल में ओलंपिक क्वालीफिकेशन टाइमिंग (ओक्यूटी) में 'ए' स्तर हासिल करके क्वालीफाई किया था। विश्वविद्यालय कोटा से किसी एक देश के एक पुरुष और एक महिला प्रतिस्पर्धी को ओलंपिक में भाग लेने का मौका मिलता है बशर्ते उस देश के किसी अन्य तैराक ने उस वर्ग (पुरुष या महिला) में क्वालीफाई नहीं किया हो या ओलंपिक चयन समय (बी) के आधार पर अंतरराष्ट्रीय तैराकी महासंघ (फिना) से निमंत्रण हासिल नहीं किया हो। माना ने ओलंपिक्स.कॉम से कहा, 'यह शानदार अहसास है। मैंने साथी तैराकों से ओलंपिक के बारे में सुना है और टेलीविजन पर इन्हें देखा है तथा कई तस्वीरें देखी हैं। लेकिन इस बार वहां होना, दुनिया के सर्वश्रेष्ठ से प्रतिस्पर्धा करना, मैं रोमांचित हूं।' इस 21 वर्षीय तैराक के टखने में 2019 में चोट लग गई थी और उन्होंने इस साल के शुरू में वापसी की। उन्होंने कहा, 'महामारी के कारण लगे लॉकडाउन से मुझे चोट से अच्छी तरह से उबरने में मदद मिली। लेकिन बाद में निराशा भी हाथ लगी। मुझे इतने लंबे समय तक पानी से दूर रहने की आदत नहीं है।' इस साल उनकी पहली प्रतियोगिता अप्रैल में उज्बेकिस्तान ओपन तैराकी चैंपियनशिप थी जिसमें उन्होंने 100 मीटर बैकस्ट्रोक में एक मिनट 04.47 सेकेंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने कहा, 'मैं उज्बेकिस्तान में अपने समय से खुश हूं। यह बहुत अच्छा नहीं था लेकिन मैंने वापसी की थी और मैं जानती थी कि मैं सही दिशा में आगे बढ़ रही हूं।' तोक्यो ओलंपिक की तैयारियों के लिये उन्होंने हाल में सर्बिया और इटली में प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया था। बेलग्रेड में उन्होंने 100 मीटर बैकस्ट्रोक में राष्ट्रीय रिकार्ड भी बनाया था। उन्होंने कहा, 'बेलग्रेड में मैंने एक मिनट 03 सेकेंड का समय निकाला। मेरा लक्ष्य तोक्यो में एक मिनट 02 सेकेंड या इससे कम समय निकालना है। मैं ओलंपिक में केवल अनुभव हासिल करना चाहती हूं।

संक्षिप्त समाचार

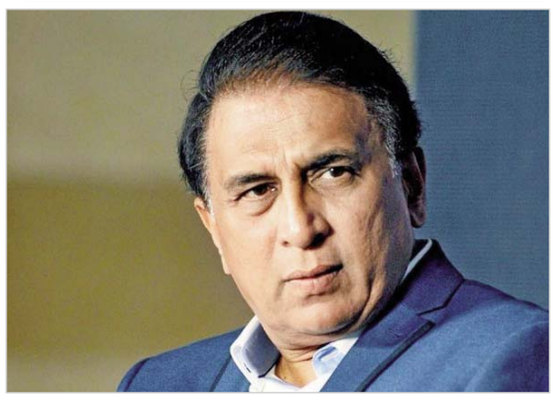

गावस्कर ने भारतीय टीम के आईसीसी खिताब नहीं जीत पाने का कारण बताया

मुम्बई। महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने पिछले सात साल से भारतीय टीम के कोई आईसीसी खिताब नहीं जीत पाने के कारण बताये हैं। गावस्कर के अनुसार इसके पीछे एक मुख्य कारण मानसिक रुकावक भी है। इसी कारण आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के खिताबी मुकाबले में पहुंचकर भी टीम हार गयी. गावस्कर ने कहा, अगर आप पिछले कुछ मैचों को देखें तो ऐसा लगता है शायद कोई मानसिक रुकावट है जिसकी वजह से हम आईसीसी खिताब नहीं जीत पा रहे हैं। वहीं इस डब्ल्यूटीसी खिताब के बारे में हमें यह याद रखना चाहिए कि हालात ठीक वैसे ही थे जैसे हालातों का न्यूजीलैंड के खिलाड़ियों ने पहले भी सामना किया है। इसलिए उनके लिए यह मैच आसान हो गया था जबकि भारतीय टीम के साथ ऐसा नहीं था। पूर्व कप्तान ने कहा, इससे पहले कि लोग भारतीय खिलाड़ियों को दोष देना शुरू करें, उन्हें यह समझना चाहिए कि साउथेम्प्टन में हालात वैसे ही थे जैसे कीवी खिलाड़ी घर पर सामना करते हैं। उन्होंने कहा, हमें अपनी टीम पर सवाल उठाने से पहले यह याद रखना चाहिए। लोगों को समझना चाहिये कि इंग्लैंड के हालात न्यूजीलैंड जैसे थे और इसी का फायदा कीवी टीम को मिला था।

झाझड़िया को टोक्यो में स्वर्ण जीतने की उम्मीदें

जयपुर। तीसरी बार पैरा-ओलंपिक खेलों में भाग लेने जा रहे देवेंद्र झाझड़िया को टोक्यो में स्वर्ण पदक जीतने की उम्मीद है। इससे पहले झाझड़िया ने अपने ही राष्ट्रीय रिकार्ड 63.97 मीटर को तोड़कर 65.71 मीटर भाला फेंकते हुए टोक्यो पेरालंपिक खेलों के लिए कोटा हासिल किया। इस प्रदर्शन से उत्साहित झाझड़िया ने कहा कि उनका आत्मविश्वास खेलों के लिए और बढ़ा है। उनका प्रयास रहेगा कि इससे भी बेहतर प्रदर्शन कर देश को तीसरा स्वर्ण पदक दिलाएं। देवेंद्र ने कहा कि कोरोना महामारी के कारण पिछले साल से अब तक अभ्यास में भी काफी मुश्किलें आयीं पर इसके बाद भी उन्होंने इसे जारी रखा है। अब उन्हें माता-पिता का सपना पूरा करना है और इसके लिए वह टोक्यो ओलंपिक में अच्छा प्रदर्शन करन चाहते हैं। झाझड़िया ने साल 2002 में कोरिया में हुए खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद उन्होंने 2004 में एथेंस पैराओलिंपिक के लिए क्वालीफाई किया और वहां भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए न केवल स्वर्ण पदक जीता बल्कि 62.15 मीटर जेवलिन फेंककर नया विश्व रिकार्ड भी बनाया। उन्होंने 2016 में रियो ओलंपिक में भी स्वर्ण पदक जीता था। उन्हें 2004 में अर्जुन अवार्ड से सम्मानित किया गया। प्रतिष्ठित पद्मश्री सम्मान प्राप्त करने वाले वे पहले पैराओलंपियन हैं।

आईसीसी टेस्ट: न्यूजीलैंड का रात 12 बजे तक जश्न मनाना काफी परेशानी वाला : अश्विन

नई दिल्ली।

क्रिकेट की शीर्ष संस्था आईसीसी द्वारा आयोजित विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में भारत से मिले 139 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए के लिए रॉस टेलर और कप्तान केन विलियमसन ने न्यूजीलैंड को 8 विकेट से खिताबी जीत दिलाई। यह वह क्षण था जब एक तरफ भारतीय खिलाड़ी हार के सदमे से उबरने की कोशिश कर रहे थे। वहीं दूसरी तरफ कीवी चेंज रूम में जश्न शुरू हो गया था। भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाड़ियों ने आधी रात तक जीत का जश्न मनाया जो हारने वाली टीम के लिए काफी मुश्किल था। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो में कहा, मैच के बाद, न्यूजीलैंड में ड्रेसिंग रूम में ट्रॉफी और ड्रिंक्स के साथ जश्न मनाने का रिवाज है। इसे देखना कठिन था। मुझे लगता है कि यह जमीन के ऊपर एक कमरा रखने का दूसरा पहलू है। उन्होंने 12 तक जश्न मनाया। वे पिच पर भी पहुंचे और यह उनकी खुशी व्यक्त करना युद्ध जीतकर रोने जैसा लग रहा था। यह देखना काफी परेशान करने वाला था क्योंकि हम जीत नहीं सके। टीम इंडिया अब अगस्त में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट श्रंखला खेलेगी जो दूसरे विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप संस्करण की शुरुआत को चिह्नित करेगा। सीरीज 4 अगस्त से नॉटिंघम में शुरू होगी और इससे पहले टीम को तीन सप्ताह का ब्रेक दिया गया है। हालांकि भारतीय टीम को इस बार भी अभ्यास मैच का मौका नहीं मिला है। अश्विन ने इस ब्रेक को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि हम पूरे समय बुलबुले में थे इसलिए लंबे समय के बाद हम कुछ ताजी हवा लेने और बाहर निकलने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा, मैंने एक कार किराए पर ली है और देश भर में गाड़ी चला रहा हूं। सबसे पहले हमने डेवोन का दौरा किया। यह एक सुंदर और मनोरम स्थान था। हम एक ऐसी ऊंचाई पर गए जो समुद्र और पहाड़ी को जोड़ती थी। उन्होंने कहा, यह ब्रेक हमारे लिए महत्वपूर्ण है। डब्ल्यूटीसी फाइनल और इंग्लैंड सीरीज के बीच हमारे पास काफी समय था। जाहिर है हम अभ्यास करेंगे, लेकिन यह ब्रेक अच्छा है। बुलबुले में रहना काफी कठिन रहा है। हम ढेढ़ साल से बुलबुले में घरौंदा बनाए रहे।

ईसीबी भारतीय टीम को काउंटी टीम के खिलाफ अभ्यास मैच की इजाजत दे सकता है.

लंदन।

इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने कहा है कि वह भारतीय क्रिकेट बोर्ड के काउंटी टीम के खिलाफ अभ्यास मैच कराने के अनुरोध पर विचार कर रहा है। ईसीबी के अधिकारी ने आईएएनएस से कहा, हम भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (ईसीबी) के काउंटी टीम के खिलाफ तीन दिवसीय अभ्यास मैच कराने के अनुरोध पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम कोरोना प्रोटोकॉल को देखते हुए काम कर रहे हैं जिससे यह सुनिश्चित कर सकें कि सभी चीज सुरक्षित तरीके से हो सके। मौजूदा कार्यक्रम के अनुसार, भारतीय टीम तीन सप्ताह के ब्रेक पर है। टीम 15 जुलाई से डरहम में कैंप करेगी। भारत को इंग्लैंड के साथ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है जो चार अगस्त से शुरू होगी। कोरोना महामारी और प्रतिबंध के कारण भारतीय टीम कुछ इंट्रा स्क्वायड मैच खेलेगी और उसका किसी काउंटी टीम के खिलाफ मैच खेलने का प्लान नहीं है। ईसीबी के अधिकारियों ने बताया कि भारतीय टीम एक अगस्त को नॉटिंघम रवाना होगी। उन्होंने कहा, भारतीय टेस्ट टीम 15 जुलाई को प्री टेस्ट कैंप के लिए डरहम पहुंचेगी और एक अगस्त को नॉटिंघम रवाना होगी।

ओलंपिक में भाग लेंगे 22 फुटबॉलर, फीफा ने दी जानकारी

वाशिंगटन । विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने कहा है कि कोविड-19 की चुनौतियों को देखते हुए ओलंपिक के लिए फुटबॉल टीम में 22 खिलाड़ियों को शामिल किया जा सकता है लेकिन किसी एक मैच के लिए केवल 18 खिलाड़ी ही उपलब्ध रह सकते हैं। ओलंपिक के लिए इससे पहले फुटबॉल टीम में 18 खिलाड़ियों को शामिल किया जाता था जबकि चार वैकल्पिक खिलाड़ियों को रखा जाता है। इन खिलाड़ियों का उपयोग किसी खिलाड़ी के चोटिल होने पर किया जाता था। एक बार एक खिलाड़ी बाहर होने पर वापसी नहीं कर सकता था। नये बदलाव का मतलब है कि तोक्यो ओलंपिक में कुल 22 खिलाड़ी चयन के लिये उपलब्ध रहेंगे। यह बदलाव कोरोना वायरस के कारण टीमों के सामने आने वाली चुनौतियों को देखते हुए किया गया है।

कोविड-19 के कारण राष्ट्रमंडल निशानेबाजी और तीरंदाजी प्रतियोगिता रद्द

नई दिल्ली ।

बर्मिंघम में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों (सीडब्ल्यूजी) 2022 से पहले चंडीगढ़ में प्रस्तावित राष्ट्रमंडल तीरंदाजी और निशानेबाजी चैंपियनशिप को कोविड-19 महामारी द्वारा उत्पन्न 'अनिश्चितता' के कारण रद्द कर दिया गया है। राष्ट्रमंडल खेल महासंघ (सीजीएफ) के सहयोग से भारतीय राष्ट्रमंडल खेल (सीजीआई) के कार्यकारी बोर्ड ने यह फैसला लिया। सीजीएफ अध्यक्ष लुइस मार्टिन ने कहा, 'हम निराश हैं कि 2022 राष्ट्रमंडल तीरंदाजी और निशानेबाजी चैंपियनशिप अब नहीं होगी। मौजूदा परिस्थितियों में हालांकि यह सही निर्णय है।' उन्होंने कहा, 'इस खबर के बावजूद, हमें कई चीजें सीखने को मिली, जिससे हमारे मौजूदा कार्यों को फायदा होगा। चंडीगढ़ 2022 की अवधारणा ने भविष्य की सह-मेजबानी की संभावनाओं को लेकर रोमांचक अवसरों की पहचान की है, जिस पर हमें और काम करना चाहिए।' राष्ट्रमंडल खेलों में निशानेबाजी में भारत का शानदार प्रदर्शन रहा है। जब बर्मिंघम 2022 सीडब्ल्यूजी के कार्यक्रम से निशानेबाजी को बाहर रखा गया था, तो भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने अपनी निराशा व्यक्त करते हुए इन खेलों का बहिष्कार करने की धमकी दी थी। इसके बाद हालांकि सीजीएफ अध्यक्ष मार्टिन और तत्कालीन सीईओ (मुख्य कार्यकारी अधिकारी) डेविड ग्रेवमबर्ग की यात्रा के बाद आईओए ने दिसंबर 2019 में वार्षिक आम सभा की बैठक के दौरान अपनी धमकी वापस ले ली थी। इसके समाधान के तहत अगले साल होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों से छह महीने पहले जनवरी में चंडीगढ़ में इन दोनों खेलों के लिए चैंपियनशिप का आयोजन करना शामिल था। चैंपियनशिप के पदकों को बाद में राष्ट्रमंडल खेलों की पदक तालिका में जोड़ा जाना था। भारतीय ओलंपिक संघ ने हालांकि पिछले महीने तक चैंपियनशिप की मेजबानी की पुष्टि नहीं की थी। महामारी के बीच व्यक्तिगत मौजूदगी के साथ बैठक की कमी का हवाला देते हुए आईओए ने यह स्वीकार किया था कि स्वास्थ्य संकट के कारण इन आयोजनों का संचालन करना 'वास्तव में कठिन' हो गया है। निशानेबाजी चैंपियनशिप के खर्च को बड़े पैमाने पर भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) द्वारा वहन किया जाना था जबकि तीरंदाजी आयोजन को पूरी तरह से भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित किया जाना था। कोरोना वायरस महामारी की दूसरी लहर का भारत पर काफी प्रभाव पड़ा और इससे मरने वालों का आंकड़ा चार लाख को पार कर गया है। अब भी हर दिन इसके संक्रमण के 40,000 से अधिक मामले आ रहे हैं।

भारत का दूसरी दर्जे की टीम भेजना श्रीलंकाई क्रिकेट के लिए अपमानजनक रणतुंगा

कोलंबो । श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान अर्जुन रणतुंगा ने दूसरे दर्जे की भारतीय टीम की मेजबानी के लिए श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड की कड़ी आलोचना की है। रणतुंगा के अनुसार यह अपमान की बात है। भारत और श्रीलंकाई टीमें 13 जुलाई से तीन एकदिवसीय और इतने ही टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज खेलेंगी। भारत ने कप्तान विराट कोहली और सीमित ओवरों के उप कप्तान रोहित शर्मा के इंग्लैंड दौरे पर होने के कारण शिखर धवन की कप्तानी में युवा खिलाड़ियों से भरी एक दूसरी टीम को श्रीलंका दौरे पर भेजा है। इसमें शामिल छह खिलाड़ी पहली बार अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेंगे। इससे पहले की सरकार में मंत्री रहे रणतुंगा ने कहा, ''यह दूसरी श्रेणी की भारतीय टीम है और उनका यहां आना हमारी क्रिकेट का एक प्रकार से अपमान है। साथ ही कहा कि उनके साथ खेलने पर सहमत होने के लिये वर्तमान प्रशासन को दोषी मानता हूं।'' श्रीलंका की 1996 की विश्व कप विजेता रही टीम के कप्तान ने कहा, ''भारत ने अपनी सर्वश्रेष्ठ टीम इंग्लैंड भेजी है और कमजोर टीम यहां भेज दी है। मैं इसके लिये बोर्ड को दोषी मानता हूं।'' उसे इस दूसरे दर्जे की टीम के लिए तैयार नही होना था। भारतीय टीम शिखर धवन की कप्तानी में श्रीलंका दौरे पर गयी हुई है।

आधुनिक तरीके से करें मिर्च की खेती

सब्जियों में मिर्च अपने तीखेपन के लिये जानी जाती है। लेकिन रतलाम जिले के ग्राम सिमलावदा निवासी किसान श्री कंवरा के लिये मिर्च की खेती कामयाबी का साधन बन गई।

रतलाम जिले के किसान कंवरा के परिवार के पास लगभग 160 बीघा जमीन है। उनका परिवार परम्परागत रूप से दो फसलों के साथ-साथ कुछ सब्जी भी अपने खेतों में भी लगा लिया करता था। खेतों में पानी अधिक लगने के कारण हमेशा उनके खेत में सिंचाई की दिक्कत बनी रहती थी। खेतों में कम उत्पादन के कारण उनका परिवार आर्थिक तंगी का सामना भी कर रहा था।

कुछ समय पहले सिमलावदा गाँव में उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों ने दौरा किया। गाँव के किसानों ने उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों के सामने सब्जी के उत्पादन में पानी अधिक लगने की बात रखी। उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों ने किसानों को सब्जी उत्पादन बढ़ाने के लिये सिंचाई के ड्रिप सिस्टम के बारे में बताया। अधिकारियों ने बताया कि ड्रिप

किसान कंवरा बताते हैं ड्रिप संयंत्र लगने के पूर्व जहां उन्हें प्रति बीघा 9 क्विंटल ही लाल मिर्च का उत्पादन प्राप्त होता था वहीं अब प्रति बीघा लगभग 12 क्विंटल मिर्च का उत्पादन मिल रहा है। आज वे अपने खेत में 140 बीघा जमीन पर मिर्च लगा रहे हैं।

किसान कंवरा मानते हैं कि उद्यानिकी एवं कृषि विभाग की खेती-किसानी के संबंध में दी जा रही आधुनिक सलाह को माना जाये तो कृषि उत्पादन को काफी हद तक बढ़ाया

सिस्टम से कम पानी में पूरे खेत की अच्छे तरीके से सिंचाई की जा सकती है। किसान कंवरा ने कृषि सलाह के अनुसार अपने खेत में ड्रिप सिस्टम की स्थापना की। उन्होंने दी गई सलाह के अनुसार 6 इंच ऊंची एक फीट चौड़ी बेड्स पूरे खेत में तैयार कर ली। उन्होंने अपने खेत में हाईब्रिड मिर्च के पौधे 40 से 60 सेंटीमीटर की दूरी पर रौपे। किसान कंवरा ने पूरे सीजन के दौरान उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों द्वारा दी गई सलाह को माना और सलाह अनुसार काम किया। आज उनके खेत में मिर्च उत्पादन काफी बढ़ गया और मिर्च की उन्नत किस्म उत्पादन के रूप में मिली।

जा सकता है। आज उनकी पहचान आसपास के गाँव में प्रगतिशील कृषक के रूप में होती है। सब्जी उत्पादन से मिली आर्थिक तरक्की से उनके परिवार के जीवन में बदलाव आया है। वे अब खेती-किसानी में और नई-नई तकनीकों का इस्तमाल कर रहे हैं।

फूलों की खेती फायदे का सौदा

देश में इन दिनों फूलों की वार्षिक घरेलू माँग 25 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से बढ़ रही है। भारत का अंतर्राष्ट्रीय फूल बाजार 90,000 करोड़ रुपये का है जो हर वर्ष बढ़ता ही जा रहा है। भारतीय बागवानी बोर्ड के अनुसार फूलों की खेती से संबंधित उत्पादों से कुल आय 205 करोड़ की है। जिसमें 105 करोड़ प्रंपरागत फूलों से है और 100 करोड़ आधुनिक फूलों से है। भारत में फूलों का निर्यात करने वाली 300 से अधिक इकाइयाँ है। राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड की रिपोर्ट के औंसर भारत में वर्ष 2007-08 में 160.7 हज़ार हेक्टेयर क्षेत्र में फूलों की खेती हुई है इस वर्ष छील्न के बाद भारत दूसरे नंबर पर है। आइये जाने भारत में उगने वाले प्रमुख फूलों की देखरेख के तरीके:

एन्थुरियम:

रोपाई: 30 गुणा 30 सेमी की दूरी पर तिकोनी जगह में। कटाई का चरण: छड़ का कड़ा होना, पर 1/3 से 3/4 फूल खिला होने पर।

पैदावार: 2 से 3 फूल हर पौधे से पहले साल में जो की बढ़कर 4 से 6 दूसरे साल और 6 से 8 तीसरे साल तक हो जाती है। गुलदस्ते में उमः 22 से 23 दिन

जरवेरा:

रोपाई: 35 गुणा 45 सेमी की दूरी पर। जनवरी, फ़रवरी बेहतर है जड़े के लिए और जून, जुलाई गर्मी के लिए।

कटाई का चरण: पंखुड़ियों के पूरा खुल जाने पर

पैदावार: 200 से 250 फूल प्रति वर्ग मीटर हर साल

गुलदस्ते में उम्र: 7 से 8 दिन

ऑरकिड

रोपाई: कटाई का चरण: जब फूल की आधी पंखुड़ीयाँ खुल चुकी हों

पैदावार: 2 से 3 छड़ प्रति पौधे से और 5 से 6 छड़ तीसरे साल से

गुलदस्ते में उम्र: 12 से 21 दिन किस्म के प्रकार पर निर्भर

टीयूब रोज (गुलाब)

रोपाई: फ़रवरी मार्च में मैदानी में, अप्रैल, मई में पहाड़ों पर। 20 से 25 सेमी की दूरी पर 5 से 7 सेमी के गढ्ढे में

पैदावार: 2 से 6 फूल हर पौधे से

गुलदस्ते में उम्र:6 से 8 दिन

गुलाब

रोपाई: अक्टूबर से अप्रैल की शुरुआत तक। 60 गुणा 60 सेमी की दूरी पर।

कटाई का चरण: एक दो पंखुड़ियों के खिलते ही।

पैदावार: 15 से 30 हर पौधे से।

गुलदस्ते मे उम्र: 4 से 7 दिन

मॉरीगोल्ड

रोपाई- साल के किसी भी समय 40 गुणा 40 सेमी

कटाई का चरण: पूरा आकर का होने पर

पैदावार: 11 से 18 टन / हेक्टेयर

गुलदस्ते में उम्र: 2 से 4 दिन

ग्लैदोलस

रोपाई: जुलाई या दिसंबर मे 30 गुणा 20 सेमी की दूरी और । सेमी गहरे गड्ढे में।

कटाई का चरण: पंखुड़ियों में रंग आने पर।

पैदावार: 10,000 से 15,000 छड़े। गुलदस्ते में उम्र: 14 से 21 दिन, 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तापमान में।

अब सूरज सा चमकेगा खेत

आपने भी कभी किसी हाइवे से गुज़रते हुए या ट्रेन में सफ़र करत हुए चमकते हुए सूरजमुखी के पीले फूलों के खेत को देखा होगा, ये नज़ारा आपकी आँखों को दो पल के लिए सुकून ज़रूर देता होगा, पहले यह फसल एक फूल के रूप में ही उगाई जाती थी, वनस्पति उत्पादक असोसिएशन के आँकड़ों के अनुसार हमरे देश में सूरजमुखी 38,8000 हेक्टेयर भूमि में उगाया जाता है। इसमें 40-50 प्रतिशत अच्छे किस्म का तेल होता है, सूरजमुखी का तेल पीले रंग का होता है तथा व्यंजनो को पकने में प्रयोग किया जाता है यह तेल हाइड्रोजिनेटेड तेल बनाने के काम भी आता है, इसके लिए तेल में 40-44 प्रतिशत अच्छी किस्म का प्रोटीन होता है।

इसकी खेती हल्की से भारी मिट्टी में सफलतापूर्वक की जा सकती है, लेकिन मध्यम किस्म की भूमि अधिक उपयुक्त रहती है मिट्टी का पीएच मान 6-5 से 8-5 इसकी सफल पैदावार के लिए उपयोगी होती है खेत से जल निकास का प्रबंध हों आवश्यक है, पिछली फसल की कतई के बाद मिट्टी पलटने वाले हाल से एक जुताई करें। बाद में अच्छे अंकुरन के लिए भूमि की दो से तीन बार जुताई करें। इसके बाद पाटा सुहागा लगाकर बुआई के लिए खेत तैयार करें।ध्यान रहे कि खेत में ढेले न रहें, सूरजमुखी की फसल को साल में तीन बार बोया जा सकता है। खरीफ मौसम में अधिक उपज हेतु इसकी बुआई अगस्त माह में करें, रबी में मध्य अक्टूबर से नवम्बर के प्रथम पखवाड़े तक व बसंत कालीन बुआई के लिए जनवरी से फ़रवरी अंत का समय उत्तम है।

एक हेक्टेयर की बुआई के लिए संकर किस्म का बीज 4-5 किलोग्राम, उनन्त किस्म का 10 किलोग्राम बीज पर्याप्त होता है। बीज को 4-6 घंटे तक पानी में भिगोना चाहिए उपर तैरने वाले थोथे बीजों को अलग निकाल देना चाहिए, भिगोये गये बीज को छाया में सूखा लें।

बीज जनित बीमारियों की रोकथाम एवं अच्छे अंकुरन के लिए बुआई से पूर्व बीज को 2-3 ग्राम थाईरम या कैप्टान प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। बुआई हाल द्वारा व चौव कर भी की जा सकती है, उन्नत क़िस्मों को क़तारों में 45 सेमी तथा संकर क़िस्मों को 60 सेमी की दूरी पर बोएँ तथा पौधे से पौधे की दूरी 20-30 सेमी रखें। बीज को भूमि की नामी अनुसार 3-5 सेमी गहरा बोएँ, बुआई के 15-20 दिन बाद घने पौधे उखाडकर पौधों के बीच निश्चित दूरी रखें।

बुआई के 15-20 दिन बाद खरपतवार निकाल दें इसी समय पौधों की छ्टयी कर पौधे से पौधे की दूरी सिर्फ़ आवश्यकता अनुसार करे तथा खरपतवरों को समय-समय पर नष्ट करें। रसायनों द्वारा कहरपतवरों के नियंत्रण हेतु एलकलोर 1-5 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से पानी में घोलकर बुआई के एक दिन बाद च्चिड़काव करें या 750 ग्राम फ्लुफलोरेलीन प्रति हेक्टेयर की दर से पानी में घोकर बुआई के एक दिन पहले खेत में छिड़काव कर अच्छी तरह मिट्टी में मिलाएँ। यदि अधिक बढ़ने वाली किस्म बोई जाती है तो फसल को गिरने से बचाने के लिए कलियाँ बनते समय पौधे पर मिट्टी चढ़ाएँ, बुआई से पूर्व 7-8 टन प्रति हेक्टेयर सड़ी हुई गोबर की खाद भूमि में डालकर अच्छी तरह मिलाएँ उर्वरकों का प्रयोग मिट्टी परीक्षण के आधार पर ही करें। यदि किसी कारणवश मिट्टी परीक्षण नही करवा पाते हो तो सिंचित फसल में 60-80 किलोग्राम नाइट्रोजन, 60 किलोग्राम फॉस्फोरस तथा 40 किलोग्राम पोटॅश 80-125 किलोग्राम उरिया, 130 किलोग्राम मूरेट ऑफ पोताश प्रति हेक्टेयर की दर से पूरी मात्रा बुआई करते समय बीज के नीचे क़तारों में डाले। फॉस्फोरस की मात्रा की सिंगल सुपर फॉसफेट द्वारा पूर्ति किए जाने पर वांच्छित मात्रा में गंधक की भी आपूर्ति हो जाती है जो कि तिलानी फसलों में तेल की मात्रा बढ़ता है फूल आने के समय सिचाई करना ज़रूरी होता है प्रथम सिचाई बुआई के एक माह बाद व अन्य सिचाई 20-25 दिन के अंतराल से आवश्यकतानुसार करे, फूल आने के समय एक हल्की सिचाई अवश्य करें। यदि वर्षा अच्छी हो जाए तो खरीफ मौसम की फसल को एक भी सिचाई की।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तापसी पन्नू के हाथ लगी एक और फिल्म, बेहद यूनीक है कॉन्सेप्ट!

तापसी पन्नू फिल्म इंडस्ट्री में अपने अभिनय का लोहा मनवा चुकी हैं। तापसी की गिनती बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस में होती हैं। उनके पास इस समय कई प्रोजेक्ट की लाइन लगी हुई हैं। वही अब खबर आ रही है कि तापसी ने एक यूनीक कॉन्सेप्ट वाली फिल्म साइन की है। खबरों के अनुसार तापसी पन्नू एक जो साइंस-फिक्शन फिल्म में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में एलियन की कहानी होगी। फिल्म का नाम 'एलियन' हो सकता है। बताया जा रहा है कि फिल्म का निर्देशक भारत नीलकंठन करने वाले हैं। खबरों के मुताबिक नीलकंठन इस फिल्म की स्क्रिप्ट तापसी पन्नू को सुना चुके हैं। यह फिल्म अलग-अलग भाषाओं में रिलीज की जाएगी। इस फिल्म में दिखाएंगे कि किस तरह एलियंस भारत जैसे देश में भी मौजूद हो सकते हैं। बताया जा रहा है कि फिल्म में वीएफक्स का काफी इस्तेमाल किया जाएगा। फिल्म के बजट में से 10 करोड़ केवल इसके विजुअल इफेक्ट्स पर खर्च किया जाएगा। तापसी पन्नू के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही फिल्म 'हसीन दिलरुबा' में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। इसके अलावा वह रश्मि रॉकेट, लूप लपेटा, दोबारा और शाबास मिट्ठू जैसी फिल्मों में काम कर रही हैं।

प्री लवड फैशन ने परिदृश्य को हमेशा के लिए बदल दिया है

शेहलीना सूमरो, उमर सूमरो और पर्निया कुरैशी द्वारा सह स्थापित, 'सरिटोरिया' एक नया ग्लोबल प्लेटफार्म लॉन्च किया गया है जिसका उद्देश्य प्रामाणिक दक्षिण एशियाई लक्जरी वस्त्र में प्री लव (डी) क्रांति की शुरूआत करना है। इसके संस्थापकों का कहना है कि यह नए कपड़े की अवधारणा को फिर से परिभाषित करने का इरादा रखता है। साथ ही एक जागरूक समुदाय का निर्माण भी करता है जो शांत देसी फैशन मास्टरपीस को दूसरा जीवन देकर स्थिरता को बढ़ावा देता है।

यह मंच क्यों महत्वपूर्ण है?

सूमरो, मेरे लिए कहूं तो, व्यक्तिगत रूप से मैंने महसूस किया कि मेरे पास पश्चिमी परिधानों के लिए बहुत सारे आइडियाज हैं और मैं चकित हूं कि मेरे 'देसी' कपड़ों के बराबर कोई नहीं है। प्रत्येक परिधान को बनाने में लगने वाले मानव और प्राकृतिक संसाधनों की मात्रा पश्चिमी परिधानों की तुलना में बहुत अधिक है, इसलिए यह और भी महत्वपूर्ण है कि हम इन परिधानों के जीवन का विस्तार करें। यही कारण है कि 18 अरब लोगों को सकरुलर अर्थव्यवस्था से जोड़ने के लिए हमें सरिटोरिया की जरूरत थी। विशेष रूप से यह देखते हुए कि दक्षिण एशिया जलवायु परिवर्तन से असमान रूप से प्रभावित होगा, इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, हमें उपभोक्ताओं के लिए अब बेहतर विकल्प बनाने में सक्षम बनने की आवश्यकता है। सरिटोरिया के बारे में अच्छी बात यह है कि यह कुछ भी त्याग किए बिना एक बेहतर विकल्प है। बल्कि यह लोगों को अधिक उचित मूल्य पर लक्जरी कपड़ों तक पहुंचने के साथ साथ ग्रह को बचाने के दौरान आपके पास पहले से मौजूद चीजों को भुनाने में सक्षम बनाता है। कौन ऐसा नहीं करना चाहेगा?

आज के समय में यह कैसे प्रासंगिक है?

सूमरो, आज के इस युग में यह प्लेटफॉर्म आवश्यक है जहां हम एक उपभोक्ता के रूप में अधिक सचेत फैसले लेना चाहते हैं। आधुनिक उपभोक्ता के लिए एक विश्वसनीय पसंदीदा बाजार स्थान की वास्तविक आवश्यकता है और सरिटोरिया अब शून्य को भरने के लिए मौजूद है। सरिटोरिया की टीम हमारे लॉन्च के बाद से पिछले कुछ दिनों में पूछताछ से अभिभूत है जो अवधारणा की प्रासंगिकता और महत्व को साबित करती है।

क्या आप स्वयं 'प्री लव्ड' को चुनेंगे?

पर्निया ने कहा, '' मैं अपने पूरे जीवन में इसका समर्थक रही हूं। एक किशोरी के रूप में मैं अपनी माँ के हाथों से बने कपड़े के जूते और बैग पहनती थी। मेरी अलमारी में 90 के दशक की मेरी माँ के हाथ से बने कपडे हैं। अमेरिका में कॉलेज में, मुझे विंटेज स्टोर और थ्रिफ्ट स्टोर से परिचित कराया गया और मैं उसकी बहुत बड़ी प्रशंसक बन गई। मुझे रैक के माध्यम से देखना और एक तरह के खजाने की तलाश करना अच्छा लगेगा। हर बार जब मैं पेरिस या न्यूयॉर्क जैसे शहर की यात्रा करती हूं तो मैं हमेशा पुराने स्टोर की तलाश करती हूं। इसके लिए मेरा प्यार और पैशन पूरी तरह से सरिटोरिया के साथ मेल खाता है।''

पर्दे पर स्वयंवर रचाने के लिए अर्शी खान को मिले 7 करोड़!

बिग बॉस फेम और एक्ट्रेस अर्शी खान इन दिनों अपने स्वयंवर को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। खबरों के अनुसार अर्शी खान छोटे पर्दे पर स्वयंवर रचाने जा रह हैं। इस शो का नाम 'आएंगे तेरे सजना' होगा। बताया जा रहा है कि इस शो के लिए अर्शी को मोटी रकम मिली हैं। खबरों के अनुसार इस स्वयंवर शो के लिए अर्शी खान को 7 करोड़ रुपए दिए जा रहे हैं। अर्शी खान की पॉपुलरिटी के चलते शो के उन्हें किसी भी हाल में लेना चाहते थे। लोगों ने अर्शी को बिग बॉस में काफी पसंद किया था। इसलिए मेकर्स अर्शी को स्वयंवर शो के लिए 7 करोड़ देने पर मान गए। बीते दिनों एक इंटरव्यू में अर्शी खान ने कहा था कि वह चाहती हैं कि उनके स्वयंवर में सलमान खान उनके लिए दूल्हा ढूंढने में मदद करें। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि सलमान साहब को शो में दूल्हा ढूंढने में मेरी मदद करनी चाहिए। एक वही हैं जिन्होंने मुझे ग्रो करने और सक्सेस पाने में मदद की है। बिग बॉस के घर में उन्होंने मुझे जिंदगी भर की सीख दी। अर्शी खान को स्वयंवर के लिए शहनाज गिल से भी ज्यादा फीस दी जा रही है। खबरों के मुताबिक, जब शहनाज गिल ने स्वयंवर शो 'मुझसे शादी करोगे' किया था तो उसके लिए उन्हें 15 करोड़ रुपए दिए गए थे।

एनसीबी के ब्रांड एंबेसडर बने पंकज

ड्रग्स के खिलाफ करेंगे जागरूक

बॉलीवुड एक्टर पंकज त्रिपाठी नारकॉटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के ब्रांड एंबेसडर बनाए गए हैं। पंकज त्रिपाठी ड्रग्स के खिलाफ लोगों को जागरूग करते दिखेंगे। उन्होंने अपनी आवाज में एक संदेश भी रिकॉर्ड किया है। पंकज त्रिपाठी के मुताबिक इसके लिए एनसीबी के पटना जोनल यूनिट ने संपर्क किया था। जिसके बाद पंकज इसके लिए राजी हो गए। गौरतलब है कि हर साल 26 जून को इंटरनेशनल डे अगेंस्ट ड्रग अब्यूज या वर्ल्ड ड्रग डे मनाया जाता है। इस दिन ड्रग्स के इस्तेमाल पर रोक और इसके प्रति जागरूकता अभियान चलाया जाता है। इसके लिए पंकज त्रिपाठी ने एनसीबी से हाथ मिलाया और ड्रग्स के इस्तेमाल के खिलाफ एक संदेश देने का फैसला किया। एक इंटरव्यू के दौरान पंकज त्रिपाठी ने कहा, मुझे लगता है कि जागरूकता के जरिए ही आज की पीढ़ी को ड्रग्स के इस्तेमाल से दूर किया जा सकता है। हमें ड्रग्स के चंगुल में फंसने के बजाए हमेशा जिंदगी के पॉजिटिव पहलू को देखना चाहिए। मैं हमेशा ड्रग्स के इस्तेमाल के खिलाफ खड़ा रहा हूं और हमेशा खड़ा रहूंगा। मुझे उम्मीद है कि देश और दुनिया एक दिन जरूर इसके चंगुल से मुक्त होगा और हमारी जीत होगी। पंकज त्रिपाठी ने कहा कि एक एक्टर के तौर पर उनका मैसेज काफी ज्यादा लोगों को जागरूक कर सकता है। पंकज ने इसके लिए एक वीडियो मैसेज रिकॉर्ड किया है जिसमें वह युवा पीढ़ी को ड्रग्स के इस्तेमाल के खिलाफ संदेश देंगे। गौरतलब है कि अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद सामने आए ड्रग्स केस में कई सेलेब्स के नाम सामने आए थे। इस मामले में एनसीबी ने कई कलाकारों से पूछताछ की। वहीं कई सेलेब्स को जेल तक जाना पड़ा है।

कोल्ड केस के सह-कलाकार पृथ्वीराज में है निर्देशक की नजर

अभिनेत्री अदिति बालन ने आगामी हॉरर थ्रिलर फिल्म 'कोल्ड केस' में पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए कहा कि मलयालम स्टार, जो एक फिल्म निर्मात भी हैं, जो दृश्यों को एक निदेशक की नजर से देखते हैं। अदिति कहती हैं, ''शूटिंग के पहले दिन मैं नर्वस थी, क्योंकि शायद यह पहली बार था जब मैं उसे व्यक्तिगत रूप से देख रही थी। मैं एक प्रशंसक हूं। वह बहुत पेशेवर और परिपूर्ण है। लेकिन अगले दिन यह बेहतर हो गया। फिर, मैंने उनके साथ बातचीत शुरू कर दी। वह एक निर्देशक भी है, इसलिए वह एक निर्देशक के रूप में चीजों पर नजर रखते है। एक या दो बार वह एक वश्य में कुछ चीजों के साथ मेरी मदद की और सुझाव दिया कि इसे कैसे ठीक किया जाए। उनका मेरी मदद करना अच्छा था या मेरे लिए बेहतर प्रदर्शन करने के लिए एक सह-कलाकार के रूप में सिखाना जिससे मैं बेहतर कर सकूं।'' ''कोल्ड केस' एक हत्या के इर्द-गिर्द बुनी गई कहानी है, जिसकी जांच एसीपी सत्यजीत (पृथ्वीराज सुकुमारन) पर की जाती है। सत्यजीत जैसे ही हत्या के पीछे के कई रहस्यों को उजागर करता है, मामले में अलौकिक शक्तियों के उभरने के साथ मामला ठंडा हो जाता है। समानांतर जांच के माध्यम से अपना रास्ता खोजते हुए, सत्यजीत और खोजी पत्रकार मेधा पद्मजा (अदिति बालन) उन रहस्यों का पता लगाते हैं जिनकी उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। फिल्म सिनेमैटोग्राफर से फिल्म निर्माता बनी तनु बालक के निर्देशन में पहली फिल्म है और इसे श्रीनाथ वी.नाथ ने लिखा है। यह 30 जून को अमेजन प्राइम वीडियो पर वैश्विक स्तर पर प्रीमियर होगा।

हॉलीवुड के कुछ सबसे मेहनती लोगों के साथ जुड़कर उत्साहित हूं

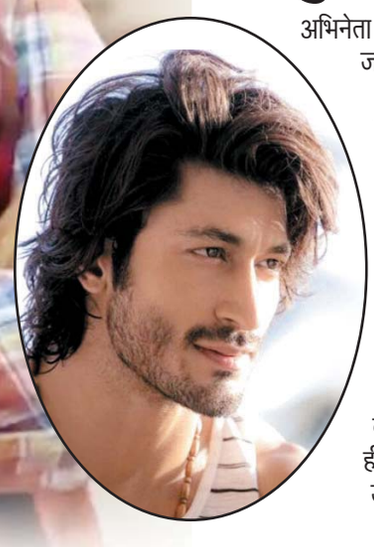

अभिनेता विद्युत जामवाल अब हॉलीवुड में किस्मत आजमाने जा रहे हैं। उन्हें टैलेंट मैनेजमेंट एजेंसी वंडर स्ट्रीट ने साइन किया है। यह एजेंसी टोनी जा, माइकल जा व्हाइट और डॉल्फ लुंडग्रेन जैसे एक्शन नायकों की प्रतिनिधि है। वंडर स्ट्रीट के साथ अपने जुड़ाव के बारे में बात करते हुए, जामवाल कहते हैं, ''मैं हॉलीवुड के कुछ सबसे मेहनती लोगों के साथ जुड़कर उत्साहित हूं।'' विद्युत जामवाल पश्चिम में अपने काम के माध्यम से भारत को वैश्विक मानचित्र पर लाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वह वंडर स्ट्रीट पार्टनर्स क्रिस्टीन होल्डर और मार्क होल्डर के साथ काम करेंगे। विद्युत लंबे समय से बॉलीवुड में हैं, लेकिन बड़ी सफलता से दूर हैं। हाल ही में उन्होंने प्रोड्यूसर बनने का भी ऐलान किया था। जामवाल की आने वाली फिल्मों में सनक और खुदा हाफिज चैप्टर 2 शामिल हैं।

नीना गुप्ता नहीं चाहती थीं बेटी मसाबा बने एक्ट्रेस

बॉलीवुड एक्ट्रेस नीना गुप्ता इन दिनों अपनी ऑटोबायोग्राफी 'सच कहूं तो' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। इस किताब में नीना गुप्ता ने अपनी जिंदगी से जुड़े कई खुलासे किए हैं। वहीं एक इंटरव्यू के दौरान नीना ने बताया था कि वह नहीं चाहती हैं कि उनकी बेटी मसाबा गुप्ता एक्टिंग के क्षेत्र में आएं। मसाबा गुप्ता इस समय सेलिब्रिटी फैशन डिजाइन हैं। मसाबा ने बीते साल नेटफ्लिक्स की सीरीज 'मसाबा मसाबा' से एक्टिंग डेब्यू किया था। ये सीरीज मसाबा गुप्ता की जिंदगी की कहानी है, जिसमें उन्होंने दर्शकों को अपनी जिंदगी में झांकने का मौका दिया। अपनी बेटी के एक्टिंग के सपने के बारे में नीना गुप्ता ने दिग्गज पत्रकार राजीव मसंद से कहा था कि मसाबा जैसी दिखती हैं, उसके कारण उन्हें देश में काम मिलने में मुश्किल हो सकती हैं। मैंने अपनी बेटी से कहा कि अगर तुम एक्टर बनना चाहती हो तो विदेश जाओ, जिस तरह तुम्हारी शक्ल है, बॉडी है, तुम्हे यहां बहुत कम रोल मिलेंगे। तुम कभी भी हीरोइन नहीं बन पाओगी। तुम कभी भी हेमा मालिनी या आलिया भट्ट नहीं बन पाओगी। वहीं नीना गुप्ता ने शाहरुख खान और करण जौहर से मिलने का वाक्या भी बताया था। नीना गुप्ता ने बताया कि एक फ्लाइट के दौरान मेरी मुलाकात शाहरुख खान और करण जौहर से हुई थी। मैने उनसे मसाबा को एक्टिंग ना करने के लिए मनाने के लिए कहा। इसके बाद दोनों ने अपने नंबर मुझे दिए और कॉल करने को कहा। फिर जब मैने बाद में दोनों को संपर्क करना चाहा, तब किसी ने भी कॉल नहीं उठाया। नीना ने मजाक में कहा कि, हां, कितने मतलबी और चीप लोग हैं वे। उन्होंने मुझे नंबर दिया और फिर फोन ही नहीं उठाते थे।

रियलिटी शो करने का कोई मलाल नहीं है

टीवी अदाकारा रतन राजपूत लंबे टाइम से एक्टिंग वर्ल्ड से दूर हैं। हालांकि एक इंटरव्यू के दौरान रतन ने अपनी पर्सनल लाइफ और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर कुछ ऐसा कह दिया है जिससे वह एक बार खबरों में छाई हुई हैं। आपको याद दिला दें कि साल 2010 में रतन राजपूत ने अपने रियलिटी शो 'रतन का रिश्ता' से खूब सुर्खियां बटोरीं। इस शो की वजह से रतन काफी कॉन्ट्रोवर्सी में भी रही थीं। उन्होंने इस शो में अपना रियल स्वयंवर रखा था। इसमें देश-विदेश से आए कई हैंडसम हंक ने हिस्सा लिया और रतन का दिल जीतने की कोशिश की थी। रतन राजपूत ने भी 10 साल पहले अपने हमसफर के लिए अभिनव शर्मा को चुना था। बातचीत में रतन राजपूत ने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ में कई उतार-चढ़ाव के बारें में बात कीं। इस दौरान जब एक्ट्रेस से पूछा गया कि, 'रियलिटी शो 'रतन का रिश्ता' करने के लिए आपकी आलोचना हुई थी, इससे आपकी करियर पर क्या असर पड़ा? इस सवाल का जवाब देते हुए कहा कि लोगों की नजर में मैंने इस शो अटेंशन और पैसे को लोभ में की थी, हालांकि ये सच नहीं है। रतन आगे इस बारें में विस्तार से कहती हैं कि इस शो को ज्वाइंन करने से पहले मैंने कई बार इस बारें में सोची और तब जाकर हामी भरी। सच कहूं तो यह बिल्कुल भी नकली नहीं था, सब कुछ रियल था। सिर्फ इसलिए कि, मुझे शो में एक आदमी मिला और मैंने टेलीविजन पर सबके सामने सगाई कर ली, लोगों ने सोचा कि यह एक नौटंकी है। एक सवाल का जवाब देते हुए उन्हें रियलिटी शो करने का कोई मलाल नहीं है, लेकिन इससे उनके अभिनय करियर पर असर पड़ा है। वह कहती हैं कि मुझे कोई पछतावा नहीं है। इंडस्ट्री के कुछ लोगों ने कहा कि, अगर मैंने शो नहीं किया होता तो वे मुझे अपने प्रोजेक्ट्स में कास्ट करते। मैं उस तर्क को कभी नहीं समझ सकी। मेरे अभिनय कौशल अभी भी वही थे और कुछ भी मेरे काम को प्रभावित नहीं कर सकते थे। उस समय इन सबका मुझ पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ा था, लेकिन अब मैं इसे भूल चुकी हूं।'

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बायोडीजल के नाम पर मिलावटी पदार्थों की अवैध बिक्री को तत्काल प्रभाव से बंद कराने का आदेश

क्रांति समय दैनिक

अहमदाबाद मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने राज्य में बायोडीजल के नाम पर बेचे जाने वाले मिलावटी पदार्थों की अनाधिकृत बिक्री को तत्काल प्रभाव से रोकने के स्पष्ट निर्देश दिए हैं। उन्होंने ऐसी अवैध बिक्री से जुड़े लोगों के खिलाफ कठोर कदम उठाने के आदेश भी दिए हैं। राज्य में बायोडीजल बिक्री नीति के कार्यान्वयन को लेकर मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में शुक्रवार को गांधीनगर में हुई उच्चस्तरीय बैठक में ये निर्देश दिए गए। बायोडीजल के नाम पर मिलावटी पदार्थों की बिक्री को लेकर मिली व्यापक शिकायतों के मद्देनजर मुख्यमंत्री ने सभी पहलुओं के संदर्भ में विचार-विमर्श कर इस बैठक में कई और निर्णय भी किए। इस उच्चस्तरीय बैठक में उप मुख्यमंत्री नितिनभाई पटेल, गृह राज्य मंत्री प्रदीपसिंह जाडेजा, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति राज्य मंत्री धर्मेंद्र सिंह जाडेजा, मुख्य सचिव अनिल मुकीम, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव के. कैलाशनाथन, गृह विभाग के अतिरिक्तमुख्य सचिव पंकज कुमार, राज्य पुलिस प्रमुख आशीष भाटिया, मुख्य आयुक्त (जीएसटी) जेपी गुप्ता, मुख्यमंत्री के सचिव अश्विनी कुमार, आपूर्ति विभाग के सचिव मोहम्मद शाहिद, वित्त सचिव मिलिंद तोरवणे, ऑयल मार्केटिंग कंपनी के स्टेट लेवल कोऑर्डिनेटर अन्ना दुराई सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। राज्य में बायोडीजल के नाम पर मिलावटी पदार्थों की बिक्री को रोकने के उद्देश्य से मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक स्टेट लेवल कमेटी (एसएलसी) का गठन कर उसमें राज्य पुलिस प्रमुख, गृह, वित्त, आपूर्ति तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों का बतौर सदस्य समावेश करने का अहम निर्णय बैठक में लिया गया। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि यह कमेटी नियमित तौर पर इन मामलों की समीक्षा और देखरेख करे। इतना ही नहीं, बायोडीजल के नाम पर अनाधिकृत पदार्थों की बिक्री से राज्य सरकार की आय को नुकसान पहुंचने के साथ ही वाहन चालकों के वाहनों के इंजन तथा पर्यावरण के लिए भी नुकसानकारक होने के कारण ऐसे पदार्थों की अवैध

बिक्री को बंद कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को कड़े कदम उठाने की भी ताकीद बैठक में की गई। मुख्यमंत्री ने बायोडीजल के नाम पर अन्य सॉल्वेंट और पेट्रोलियम पदार्थों आदि के होने वाले आयात को भी पूरी तरह से रोकने के निर्देश दिए हैं। इस बैठक में भारत सरकार की बायोडीजल नीति को राज्य में किस स्वरूप में स्वीकारा और अमलीकरण किया जाए उस संदर्भ में जरूरी चर्चा परामर्श कर मार्गदर्शन दिया गया। राज्य में अभी बायोडीजल की न के बराबर उपलब्धता होने के कारण राज्य सरकार की ओर से बायोडीजल की फुटकर बिक्री या खुदरा दुकानों के मार्फत बायोडीजल की बिक्री की मंजूरी नहीं दी गई है। ऐसी परिस्थिति में खुदरा दुकानों के मार्फत बायोडीजल की बिक्री नहीं की जा सकती। बैठक में यह साफ किया गया कि केवल ऑयल मार्केटिंग कंपनी ही बायोडीजल खरीदकर सोर्स पर ब्लैंडिंग कर बिक्री कर सकेगी। ऑयल मार्केटिंग कंपनी को छोड़ अन्य तमाम बिक्री अवैध मानी जाएगी। बैठक में हुई चर्चा के अनुसार बायोडीजल को हाईस्पीड डीजल में निर्धारित मात्रा में मिश्रित या ब्लैंडिंग कर उपयोग करने की भारत सरकार की नीति है। इसके परिणामस्वरूप पेट्रोलियम उत्पादों पर निर्भरता कम होगी तथा पेट्रोलियम पदार्थों के आयात में खर्च होने वाली विदेशी मुद्रा भी बचेगी। शुद्ध बायोडीजल का उत्पादन जेट्रोफा, करंज तेल और जले हुए खाद्य तेल आदि में मिथाइल या इथाइल एस्टर के मिश्रण से होता है। ऐसा शुद्ध बायोडीजल बनाने वाले सूक्ष्म, लघु या मझौले उद्यमों (एमएसएमई) को प्रोत्साहन मिले तथा किसानों को भी पूरक आय मिल सके उस मकसद से ऐसे उत्पादक या उद्यमियों को गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (जीपीसीबी) सहित अन्य निर्धारित मंजूरियां हासिल कर ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को हाईस्पीड डीजल के साथ मिश्रण करने के लिए या औद्योगिक उद्देश्य से बिक्री की अनुमति देने के संदर्भ में दिशा-निर्देश आगामी दिनों में घोषित करने को लेकर भी बैठक में परामर्श हुआ। बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार ऐसे उत्पादन और बिक्री का ब्यौरा सरकार के समक्ष प्रस्तुत करना होगा। इतना ही नहीं, इस संबंध में उत्पादन और बिक्री की जानकारी का समुचित रिकॉर्ड भी उन्हें रखना होगा। इस उच्चस्तरीय बैठक में बायोडीजल नीति के संबंध में विस्तृत प्रेजेंटेशन खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति सचिव मोहम्मद शाहिद ने पेश किया।

क्रांति समय फाउंडेशन (NGO)

सार-समाचार

रिश्वत लेते रंगे हाथ धरे गए भाजपा के दो नगर पार्षद, महिला पार्षद का पति भी गिरफ्तार

अहमदाबाद,जिले की विरमगाम नगर पालिका के भाजपा के दो नगर पार्षदों को एसीबी ने रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है। भाजपा की महिला नगर पार्षद को भी इस मामले में धर लिया गया है। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद जिले की विरमगाम नगर पालिका के वार्ड 1 के नगर पार्षद अजय ठाकोर और अनिल पटेल के अलावा महिला पार्षद कंचन के पति रतिलाल ठाकोर को रिश्वत मामले में गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि सुजलाम सुफलाम योजना के अंतर्गत मिट्टी काम के लिए 30 हजार रुपए की रिश्वत मांगी गई थी। रिश्वत की रकम प्राप्त करने के लिए आरोपियों ने एक छोटे बच्चों के भी शामिल किया था। शिकायतकर्ता ने आरोपी अनिल पटेल को मोबाइल भी दिया होने का खुलासा हुआ है। नगर पार्षदों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई तो शुरूहो गई है, देखना होगा कि भाजपा इनके खिलाफ क्या कार्रवाई करती है।

पुरानी रंजिश को लेकर बाप-बेटे ने स्कोडा कार में आग लगा दी

सूरत,शहर के सीमा स्थित दीपली गांव में गुरुवार की देर रात दो शख्सों ने पेट्रोल छिड़क स्कोडा कार में आग लगा दी। हांलाकि कार मालिक ने तुरंत आग बुझा ली। यदि आग पेट्रोल टैंक तक पहुंच जाती तो बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। जानकारी के मुताबिक सूरत के सचिन जीआईडीसी के निकट दीपली गांव निवासी हरिशनामक युवक ने घर के पास स्कोडा कार पार्क की थी। गुरुवार की रात करीब दो बजे कार में आए दो शख्सों ने हरिश की कार पर पेट्रोल छिड़का और उसमें आग लगाकर फरार हो गए। समय रहते हरिश जाग गया और उन्होंने आग बुझा दी। यदि आग कार के पेट्रोल टैंक तक पहुंच जाती तो बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

20 रुपए की पानी की बोतल के लिए 6-7 लोगों ने एक युवक को पीटा, अस्पताल में मौत

क्रांति समय दैनिक

सूरत, शहर के सोशियो सर्कल के निकट पेट्रोल पंप के कर्मचारियों ने एक युवक को इस कदर पीटा की उसकी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक के भाई की शिकाय के आधार पर पुलिस ने पेट्रोल पंप कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरूकी है। जानकारी के मुताबिक सूरत सोशियो सर्कल के निकट स्थित पेट्रोल पंप पर 500 रुपए का पेट्रोल भरवाने पर पानी की एक बोतल फ्री मिल रही थी। 34 वर्षीय रविन्द्र गणेश सांगडिया अपने दोस्त निखिल के साथ पेट्रोल पंप पर पेट्रोल भरवाने गया था। रु 500 का पेट्रोल भरवाने के बाद रविन्द्र ने पंपकर्मी से पानी की बोतल मांगी। कर्मचारी ने कहा कि पानी की बोतल नहीं है। जिसे लेकर दोनों के बीच तू तू मैं मैं होने लगी। बात इतनी बढ़ गई और मारपीट शुरूहो गई। पेट्रोल पंप के 6-7 कर्मचारी रविन्द्र सांगडिया के साथ मारपीट करने लगे। उस वक्त वहां से गुजर रही गश्ती पुलिस ने रविन्द्र सांगडिया को पेट्रोल पंपकर्मियों से छुड़ाया और थाने ले गई। जहां रविन्द्र की तबियत बिगड़ने पर पुलिस ने उसके परिवार से संपर्क किया। खटोदरा पुलिस थाने पहुंचे रविन्द्र का भाई हितेन्द्र उसे तुरंत एम्ब्युलैंस 108 के जरिए सिविल अस्पताल ले गया। जहां उपचार के दौरान रविन्द्र की मौत हो गई। रविन्द्र की मौत के बाद खटोदरा पुलिस ने पेट्रोल पंप के 6-7 कर्मचारियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। साथ ही कर्मचारियों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। दूसरी ओर परिवार ने पुलिस कार्यवाही पर सवाल उठाए हैं। मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया है कि रविन्द्र के साथ मारपीट करने वाले पेट्रोल पंपकर्मियों को पकड़ने के बजाए पुलिस रविन्द्र को थाने ले गई। जबकि उसकी हालत गंभीर थी। यदि रविन्द्र को समय पर उपचार मिल जाता तो वह बच सकता था। दूसरी ओर पुलिस का कहना है कि रविन्द्र शराब के नशे में अपने मित्र के साथ पेट्रोल पंप गया था।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सीएम योगी का महत्वपूर्ण निर्देश

यूपी में 5 जुलाई से खुलेंगे मल्टीप्लेक्स सिनेमाहॉल, जिम और स्टेडियम

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश में कोरोना संकट खत्म होता जा रहा है। वहीं कोरोना की दूसरी लहर के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पांच जुलाई से मल्टीप्लेक्स सिनेमाहॉल,जिम और खेल गतिविधियों के संचालन की अनुमति प्रदान कर दी है। सीएम योगी ने शुक्रवार को कोविड-19 प्रबंधन के लिये गठित टीम-09 की बैठक में कहा कि प्रदेश में कोरोना महामारी की स्थिति नियंत्रण में है। संक्रमण दर न्यूनतम है जिसको देखते हुये पांच जुलाई यानी सोमवार से मल्टीप्लेक्स सिनेमाहॉल, जिम और स्पोर्टस स्टेडियम को कोविड प्रोटोकॉल के अनुपालन के साथ संचालन की अनुमति दी जाये। कोविड के कारण सिनेमाहॉल संचालकों के व्यवसाय पर असर पड़ा है। उनकी जरूरतों एवं समस्याओं पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हर दिन ढाई लाख से अधिक कोविड टेस्ट किए जा रहे हैं, जबकि पॉजिटिविटी दर एक फीसदी से भी कम हो चुकी है। पिछले 24 घंटे में प्रदेश में 02 लाख 70 हजार 723 कोविड टेस्ट किए गए, इसी अवधि में संक्रमण के 133 नए मामले आये हैं, जबकि 228 मरीज उपचारित होकर स्वस्थ हुए हैं। प्रदेश में अब तक 05 करोड़ 83 लाख 82 हजार से अधिक टेस्ट हो चुके हैं। अब तक 16 लाख 81 हजार 208 लोग कोरोना संक्रमण से मुक्त होकर डिस्चार्ज हो चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने के प्रयासों के क्रम में गांवों, छोटे कस्बों और महानगरीय क्षेत्रों 'हेल्थ एटीएम% की स्थापना पर विचार किया जाए। इन अत्याधुनिक मशीनों के माध्यम से लोग बॉडी मास इंडेक्स, ब्लड प्रेशर, मेटाबॉलिक ऐज, बॉडी फैट, हाईड्रेशन, पल्स रेट, हाइट, मसल मास, शरीर का तापमान, शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा, वजन सहित कई पैरामीटर की जांच कर सकते हैं।

यूएस-ब्राजील के बाद

4 लाख मौतों वाला दुनिया का तीसरा देश बना भारत

नई दिल्ली ।

वैश्विक महामारी कोरोना वायरस की मार भले ही भारत में मंद पड़ गई हो, पर इसके साथ एक अनापेक्षित रिकॉर्ड भी जुड़ गया है। शुक्रवार को बीते 24 घंटे में 853 मौतों के साथ देश में कोरोना से जान गंवाने वालों की संख्या चार लाख पार हो गई है। इस तरह से भारत अमेरिका और ब्राजील के बाद दुनिया का तीसरा देश बन गया है, जहां कोरोना से अब तक चार लाख से अधिक मौतें हुई हैं। भारत में कोरोना से अब तक 4,00,312 लोग जान गंवा चुके हैं, वहीं अमेरिका में 6.5 लाख और ब्राजील में 5.2 लाख लोगों की मौतें हो चुकी हैं। इस बीच शुक्रवार को देश में कोरोना वायरस के एक दिन में 46317 नए मामले मिले। वहीं इसी दौरान करीब 59384 लोग इससे ठीक भी हुए। देश में फिलहाल पांच लाख के लगभग सक्रिय केस रह गए हैं और बीते पांच दिनों से कोरोना के नए मामले 50 हजार के बेंच मार्क से नीचे हैं। राहत की बात है क रिकवरी रेट बढ़कर 97.1 फीसदी हो गया है। वहीं, साप्ताहिक पॉजिटिविटी रेट 2.57 पर है। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, सबसे अधिक मामले दर्ज करने वाले शीर्ष पांच राज्यों में केरल टॉप पर है। केरल में 12,868 नए मामले मिले हैं। इसके बाद महाराष्ट्र में 9,195 मामले, तमिलनाडु में 4,481 मामले, आंध्र प्रदेश में 3,841 मामले और कर्नाटक में 3,203 मामले सामने आए हैं। देश में मिले कुल कोरोना केसों में 72 फीसदी योगदान इन्हीं पांच राज्यों का है। सिर्फ केरल में ही 27 फीसदी नए केस मिले हैं। आंकड़ों के अनुसार, अभी तक कुल 41,42,51,520 नमूनों की कोविड-19 संबंधी जांच की गई है, जिनमें से 18,80,026 नमूनों की जांच गुरुवार को की गई। देश में नमूनों के संक्रमित आने की दैनिक दर 2.48 प्रतिशत है। यह पिछले 25 दिनों से लगातार पांच प्रतिशत से कम ही है। नमूनों के संक्रमित आने की साप्ताहिक दर भी कम होकर 2.57 प्रतिशत हो गई है। संक्रमण मुक्त हुए लोगों की संख्या लगातार 50वें दिन भी संक्रमण के नए मामलों से अधिक रही। अभी तक कुल 2,95,48,302 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं। कोविड-19 से मृत्यु दर 1.31 प्रतिशत है। देश में पिछले साल सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितम्बर को 40 लाख से अधिक हो गई थी। वहीं, संक्रमण के कुल मामले 16 सितम्बर को 50 लाख, 28 सितम्बर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 29 अक्टूबर को 80 लाख, 20 नवम्बर को 90 लाख के पार हो गए। देश में 19 दिसम्बर को ये मामले एक करोड़ के पार, चार मई को दो करोड़ के पार और 23 जून को तीन करोड़ को क्रास कर गए थे।

जाइडस कैडिला का डीएनए तकनीक वाला टीका बच्चों पर कारगर

– भारत सरकार की मंजूरी का है इंतजार

नई दिल्ली । जानलेवा महामारी कोरोना की तीसरी लहर की खौफ के चलते एक सुकून भरी खबर सामने आई है। दुनिया का पहला डीएनए तकनीक पर आधारित फार्मा कंपनी जाइडस कैडिला का टीका बच्चों पर भी कारगर साबित हुआ है। देशभर के 50 अस्पतालों में बच्चों व वयस्कों पर हुए तीन ट्रायलों में यह टीका 66.6 फीसदी कारगर रहा है। जाइडस कैडिला का यह टीका दुनिया का पहला ऐसा टीका होगा जिसकी तीन खुराकें लगाने की जरूरत होगी। फिलहाल इस दवा कंपनी ने टीके के तीनों ट्रायल के आंकड़े भारतीय औषधि महानियंत्रक को सौंपकर इसके आपात इस्तेमाल की मंजूरी उनसे मांगी है। जाइडस कंपनी ने दावा किया है कि टीके की दो खुराक लेने के बाद एक भी गंभीर बीमारी या मौत का मामला दर्ज नहीं किया गया है, वहीं तीसरी खुराक देने के बाद मरीज की बॉडी में 100 फीसदी तक एंटीबॉडी पाई गई हैं। कंपनी ने फिलहाल कहा है कि इस टीके को दो खुराकों में लाने की तैयारी चल रही है। जाइडस कैडिला ने इसके अलावा यह भी दावा किया है कि 12 से 18 वर्ष की आयु के करीब एक हजार बच्चे व किशोरों को यह वैक्सीन लगाई गई है। यह पहली वैक्सीन है जो बच्चों पर असरदार है। फिलहाल कोवैक्सिन और कोविशील्ड का ट्रायल अभी बच्चों पर किया जा रहा है।

राजस्थान में 8 नए न्यायालयों की स्थापना के लिए मुख्यमंत्री की स्वीकृति

नई दिल्ली/जयपुर। राजस्थान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा विधानसभा में राज्य बजट वर्ष 2021-22, बजट पर बहस तथा वित्त एवं विनियोग विधेयक पर चर्चा के दौरान की गई घोषणाओं के क्रम में राज्य में 8 नए न्यायालय शीघ्र खोले जाएंगे। गहलोत ने इसके लिए इन नवीन न्यायालयों को मय स्टाफ खोलने के प्रस्ताव का अनुमोदन कर दिया है। गहलोत ने टोंक जिले के टोडारायसिंह में सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय को वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय में क्रमोन्नत करने तथा बांसवाड़ा जिले के आनन्दपुरी, सवाईमाधोपुर के चौथ का बरवाड़ा और भरतपुर के उच्चैन में सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय खोलने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया है। इसी प्रकार, नागौर जिले के कुचामनसिटी एवं लाडनूं, टोंक के निवाई तथा जयपुर महानगर प्रथम के बस्सी में अपर जिला न्यायाधीश न्यायालय खोलने का प्रस्ताव स्वीकृत किया है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री द्वारा घोषित विभिन्न श्रेणी के कुल 62 में से 48 न्यायालयों की स्थापना के लिए पहले ही अधिसूचनाएं जारी की जा चुकी हैं। इस निर्णय से पक्षकारों को स्थानीय स्तर पर ही न्याय मिलने में आसानी होगी तथा न्यायालयों में लंबित प्रकरणों को जल्द निपटाया जा सकेगा।

पंजाब कांग्रेस कलह के हल का फॉर्मूला जल्द निकाल सकती है पार्टी आलाकमान

नई दिल्ली । कांग्रेस शासित पंजाब में पार्टी अंतरकलह से जूज रही है इस कलह के समाधान के लिए पार्टी आलाकमान जल्द ही सीएम अमरिंदर सिंह और पूर्व मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू के लिए सम्मानजनक स्थिति वाला फार्मूला निकाल सकता है। पार्टी सूत्रों ने यह जानकारी दी। वहीं, कांग्रेस के पंजाब प्रभारी हरीश रावत ने संवाददाताओं से बातचीत में फिर दोहराया कि इस मामले का हल 8-10 जुलाई तक निकल सकता है। उन्होंने कहा कि सिद्धू ने कांग्रेस नेतृत्व के समक्ष अपनी बातें रखी हैं और इससे मुद्दे के समाधान में मदद मिलेगी। मालूम हो कि सिद्धू ने बुधवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी के साथ लंबी बैठक की थी। माना जा रहा है कि इन बैठकों में कांग्रेस आलाकमान की ओर से सिद्धू को पार्टी या संगठन में सम्मानजनक स्थान की पेशकश के साथ मनाने का प्रयास किया गया। सूत्रों का कहना है कि मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह के खिलाफ सिद्धू के सख्त रुख को देखते हुए कांग्रेस आलाकमान दोनों नेताओं के लिहाज से संतोषजनक समाधान निकालने का प्रयास कर रहा है और इसका फार्मूला जल्द सामने आ सकता है। इस बीच, मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने पंजाब के शहरी इलाकों के वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के साथ बैठक की। इस बैठक में शामिल हुए अधिकांश नेताओं के संबंध हिंदू समुदाय से है। राज्य में बहुसंख्यक आबादी सिख है। अमरिंदर सिंह की इस बैठक को भी शक्ति प्रदर्शन के तौर पर भी देखा जा रहा है। हाल के दिनों में सिद्धू लगातार इस बात पर जोर दे रहे हैं कि वह सीएम के साथ काम नहीं कर सकते। हाल के कुछ हफ्तों से सिद्धू और पंजाब कांग्रेस के कुछ अन्य नेताओं ने मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। सिद्धू का कहना है कि गुरू ग्रंथ साहिब की बेअदबी के मामले में अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए भी कोई कारगर कदम भी नहीं उठाए गए।

मायावती का अखिलेश पर कटाक्ष, छोटे दलों से गठबंधन को बताया महालाचारी

लखनऊ।

देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव-2022 से पहले राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। शुक्रवार को बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और यूपी की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने समाजवादी पार्टी पर हमला बोला। लगातार दो ट्वीट में मायावती ने समाजवादी पार्टी के विधानसभा चुनाव-2022 में छोटे दलों से गठबंधन को पार्टी की महालाचारी बताया है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि समाजवादी पार्टी की घोर स्वार्थी, संकीर्ण व खासकर दलित विरोधी सोच एवं कार्यशैली आदि के कड़वे अनुभवों तथा इसकी भुक्तभोगी होने के कारण देश की अधिकतर बड़ी व प्रमुख पार्टियां चुनाव में इनसे किनारा करना ही ज्यादा बेहतर समझती हैं। यह तो सर्वविदित है। मायावती ने कहा कि इसी कारण उत्तर प्रदेश के होने वाले विधानसभा के आमचुनाव अब यह पार्टी किसी भी बड़ी पार्टी के साथ नहीं बल्कि छोटी पार्टियों के गठबंधन के सहारे ही लड़ेगी। उन्होंने कहा कि बड़े दलों का भरोसा तोड़ने वाली समाजवादी पार्टी का ऐसा कहना व करना महालाचारी नहीं है तो और क्या है। इससे पहले दूसरे ट्वीट में मायावती ने लिखा, बसपा देश में युवाओं के लिए ऐसी भयावह स्थिति पैदा करने के लिए केन्द्र में भाजपा के साथ-साथ कांग्रेस को भी बराबर की जिम्मेदार मानती है, जिसने लंबे समय तक यहां एकछत्र राज किया व अपने कार्यकलापों की भुक्तभोगी बनकर कांग्रेस केन्द यूपी व काफी राज्यों की भी सत्ता से बाहर हो गई। मायावती ने आगे लिखा, यदि भाजपा भी, कांग्रेस पार्टी के नक्शेकदम पर ही चलती रही तो फिर इस पार्टी की भी वही दुर्दशा होगी, जो कांग्रेस की हो चुकी है, जिस पर भाजपा को गम्भीरता से जरूर सोचना चाहिये क्योंकि इनकी ऐसी नीति व कार्यकलापों से न तो जनक

भारतीय सेना में शामिल हुए 12 शॉर्ट स्पैन ब्रिजिंग सिस्टम

-इस सिस्टम के आने से 10 मी. के ब्रिज की कमी होगी पूरीः जनरल नरवणे

नई दिल्ली।

रक्षा अनुसंधान व शोध संगठन (डीआरडीओ) और एल एंड टी द्वारा तैयार किए 12 शॉर्ट स्पैन ब्रिजिंग सिस्टम को भारतीय सेना में शामिल किया गया। इस सिस्टम के सेना में शामिल होने से सेना को उन दुर्गम इलाकों में अपना अभियान चलाने में आसानी होगी जहां उसे नहरों और नालों की वजह से मुश्किलों का सामना करना पड़ता था। सेना के लिए इस सिस्टम को डीआरडीओ ने विकसित किया है। इसका उत्पादन लार्सन एंड टूब्रो कंपनी ने किया है। इसकी कीमत 492 करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है। सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की मौजूदगी में दिल्ली कैंट में कोर ऑफ इंजीनियर्स को ये ब्रिज दिए गए। सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे ने कहा कि शॉर्ट स्पैन ब्रिज के सेना में शामिल होने से हमारी काबिलियत और भी बढ़ेगी। सैन्य प्रमुख ने कहा कि हमारे पास 5 मीटर 15 मीटर स्पैन के ब्रिज थे लेकिन 10 मीटर के ब्रिज की कमी हमेशा महसूस होती थी। इस ब्रिज के आने से वो जो कमी थी वह भी पूरी हो जाएगी। उन्होंने कहा कि इससे हमारी जो मेकेनाइज्ड फोर्मेशन है, जो ज्यादातर हमारे वेस्टर्न फ्रंट पर है, उनकी काबिलियत बहुत बढ़ेगी। अब जो ऑपरेशन की रफ्तार है वो और तेज होगी। उन्होंने भारतीय सेना में एक और उपकरण शामिल होने पर बधाई दी। भारतीय सेना के इंजीनियर-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल हरपाल सिंह ने कहा कि हमारे पास पहले फिक्स्ड स्पैन के ब्रिजेस होते थे। ये 10-30 मीटर के इंटरमीडिएट गैप होते थे उसको हम ब्रिज नहीं कर पाते थे। इसलिए ये पूरा ब्रिज सिस्टम बनाया गया और अब हम 5-75 मीटर तक के नहरे को ब्रिज कर सकते हैं।

- इवरमेक्टिन दवा दिए जाने की वकालत की

कोविड की तीसरी लहर से बचने में 'वैक्सीन' ही नहीं 'दवा' भी हो सकती है कारगर

नई दिल्ली ।

वैश्विक महामारी कोविड के प्रकोप को लेकर दुनियाभर खौफ बरकरार है ऐसे में कई तरह की भ्रांतियां इसके प्रसार और तीसरी लहर को लेकर लगाए जा रहे हैं। पूरी दुनिया के देश यही मान कर चल रहे हैं कि महामारी को खत्म करने का एक ही तरीका है कि आबादी का तेजी से टीकाकरण कर किया जाए। यहां यह सवाल भी लाजिमी हो जाता है कि क्या महामारी से निपटने के लिए वैक्सीन के अलावा कोई दूसरा उपाय नहीं है? सर्जन डॉ. कावेरी नंबीसान और कांदिवली मुंबई के प्रमुख टेलीमेडिसिन प्रैक्टिशनर डॉ. डेरेल डेमेलो का कहना कि इस का एक उपाय यह है कि इवरमेक्टिन दवा उन सभी को दी जानी चाहिए जिन्हें टीका नहीं लगाया गया है या आंशिक रूप से टीका लगाया गया है। लगातार तीन दिनों तक दी गई शुरुआती तीन गोलियों के बाद 12 मिलीग्राम की एक बार साप्ताहिक खुराक वायरस से पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करती है। सीधे शब्दों में कहें तो एक ही समय में टीकाकरण के साथ आगे बढ़ते हुए दुनिया को इवरमेक्टिनाइज करना बहुत अच्छा है। अगस्त 2020 तक इवरमेक्टिन का उपयोग भारत सहित अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोप के कई देशों के अलावा बांग्लादेश, मैक्सिको, दक्षिण अफ्रीका, इजराइल, स्पेन, इटली, स्लोवाकिया और जापान में किया जा रहा था। भारत में उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में एक डॉक्टर ने 4,000 से अधिक रोगियों का इलाज किया है। मुंबई के कांदिवली में एक अन्य ने कॉर्पोरेट घरानों सहित 6,000 का इलाज किया है और मंगलुरु में काम करने वाले ईएनटी के एक प्रोफेसर ने 4000 से अधिक रोगियों का इलाज किया है। कई अन्य ऐसे भी हैं जिन्होंने बड़ी संख्या में मरीजों का इलाज किया है। कई चिकित्सा विशेषज्ञों का मानना है कि शुरूआती दौर में कोविड के इलाज के लिए इवरमेक्टिन दवा का इस्तेमाल किया गया। कोरोना वायरस को मारने के लिए यह दवा कारगर साबित हो रही थी। इसी बीच दुनिया भर के ड्रग कंट्रोल अथॉरिटीज और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने खुद इवरमेक्टिन की निरंतर प्रभावकारिता को खारिज कर दिया। एक ऑस्ट्रेलियाई वैज्ञानिक ने इन विट्रो में इवरमेक्टिन के साथ प्रयोग करते हुए पाया कि इसने कोविड-19 वायरस को मार दिया। उन्होंने अपने निष्कर्षों के बारे में लिखा और बांग्लादेश के एक बड़े सरकारी अस्पताल में काम करने वाले एक डॉक्टर ने इसे नोट किया। उन्होंने 60 रोगियों पर इवरमेक्टिन का इस्तेमाल किया और पाया कि यह उनमें से अधिकांश ठीक हो गए। इसके अलावा ठीक होने के बाद उनमें से किसी गंभीर बीमारी की समस्या नहीं हुई। जब वायरल प्रतिकृति (पहले पांच दिन) के प्रारंभिक चरण में और अन्य सहायक विटामिन के साथ दिया गया, तो इवरमेक्टिन अन्य अधिक महंगी दवाओं की तुलना में कहीं अधिक प्रभावी थी। रोग के बाद के चरणों में भी यह अपने वायरस विरोधी गुणों के कारण काम करता है जो गंभीर जटिलताओं से बचने में मदद करते हैं। सर्जन डॉ. कावेरी नंबीसान और टेलीमेडिसिन प्रैक्टिशनर डॉ. डेरेल डेमेलो का कहना है कि इवरमेक्टिन का उपयोग उन लोगों के लिए एक निवारक दवा के रूप में भी किया जाता है, जो संक्रमण के उच्च जोखिम में हैं, जैसे कि कोविड सकारात्मक व्यक्तियों के परिवार के सदस्य और सभी फ्रंटलाइन कार्यकर्ता, जिसमें स्वास्थ्य पेशेवर, पुलिस, यातायात और रेलवे कर्मी, बस, ऑटो और टैक्सी चालक आदि।

संक्षिप्त समाचार

बेंगलुरु के इलाकों में सुनाई दी धमाके जैसी रहस्यमयी आवाज, लोगों में दहशत का माहौल

नेशनल डेस्क। जिले के दक्षिणी भागों, रामनगर जिले और पड़ोस में स्थित तमिलनाडु के होसुर जिले में शुक्रवार को किसी धमाके के समान रहस्यमयी आवाज सुनाई दी जिससे लोग सहम गए। जयनगर, अनेकल, बिदादी, कनकपुरा, पद्मनाभनगर, केन्गेरी, राजराजेश्वरी नगर और होसुर में अपराह्न साढ़े बारह बजे के आसपास तेज आवाज सुनाई दी। बेंगलुरु में कुमारस्वामी लेआउट के, वी ज्योति ने कहा, मैं घर में था जब मैंने आवाज सुनी जो इतनी तेज थी कि हमारे खिड़की दरवाजे हिलने लगे। बिदादी के जय प्रकाश को भी इसी प्रकार का अनुभव हुआ। उन्होंने कहा, आवाज तीन से चार सेकेंड तक सुनाई दी। आवाज कहां से आ रही है, यह जानने के लिए मैं बाहर निकला लेकिन कुछ पता नहीं चला। इसकी जांच होनी चाहिए।÷ कर्नाटक राज्य आपदा प्रबंधन निगरानी केंद्र की ओर से एक बयान में कहा गया कि भूकंपीय वेधशाला से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण किया गया लेकिन भूकंप का कोई संकेत नहीं मिला। भारतीय वायु सेना ने भी किसी प्रकार की उड़ान गतिविधि से इनकार किया है जिससे ऐसी आवाज आये। पिछले साल ऐसी आवाज सुनाई दी थी तब भारतीय वायु सेना ने विमान से निकलने वाले सोनिक बूम को इसका जिम्मेदार बताया था लेकिन इस साल ऐसी कोई जानकारी नहीं दी गई है।

महाराष्ट्र विधान परिषद के नामांकन के लिए दिशा निर्देश बनाने संबंधी याचिका खारिज

-नामित सदस्यों को हटाने के लिए एक अलग तंत्र है और अदालतें दिशा निर्देश नहीं तय कर सकती

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने महाराष्ट्र की विधान परिषद के नामांकन के लिए मापदंड तय करने के राज्यपाल को निर्देश देने का अनुरोध करने वाली जनहित याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया और कहा कि राज्यपाल मंत्री परिषद की सलाह के अनुसार काम करते हैं और अदालतें उनके लिए दिशा निर्देश नहीं बना सकती। प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण, न्यायमूर्ति एएस बोपन्ना और न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय की पीठ ने कहा कि राज्यपाल द्वारा नामित सदस्यों को हटाने के लिए एक अलग तंत्र है और अदालतें दिशा निर्देश नहीं तय कर सकती कि वे कैसे काम करेंगे और विधान परिषद के सदस्यों को नामित करेंगे। पीठ ने कहा, राज्यपाल मुख्यमंत्री और मंत्री परिषद की सलाह मानने को बाध्य हैं तथा हम राज्यपालों के लिए दिशा निर्देश नहीं बना सकते कि वे कैसे काम करेंगे। जब वकील ने इस पर जोर दिया तो पीठ ने कहा, आप हमसे संविधान में संशोधन चाहते हैं। माफ कीजिए। याचिका खारिज की जाती है। लातूर के एक स्कूल शिक्षक जगन्नाथ शामराव पाटिल ने विशेष क्षेत्रों से विवेकपूर्ण तरीके से राज्यपाल द्वारा महाराष्ट्र विधान परिषद के नामांकन के लिए नियम बनाने के दिशा निर्देश देने का अनुरोध करते हुए जनहित याचिका दायर की थी। याचिका में कहा गया कि विशिष्ट नियम या मापदंड नहीं होने के कारण कई योग्य लोग महाराष्ट्र विधान परिषद के सदस्यों के तौर पर अपने नामांकन के लिए नामों पर विचार से वंचित रह जाते हैं।

परेशानी में आप नेता आतिशी, चुनावी हलफनामे में घोषित संपत्ति से जुड़ा मामला

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की विधायक आतिशी को 2020 के चुनावी हलफनामे में घोषित संपत्ति और देनदारियों तथा पिछले कुछ वर्षों में जमा आयकर विवरण के बीच कथित तौर पर मिलान नहीं होने पर आयकर विभाग का नोटिस दे दिया है। आधिकारिक सूत्रों ने इसकी जानकारी दी। आतिशी द्वारा उन्हें निशाना बनाने के आरोपों को खारिज करते हुए सूत्रों ने कहा कि आतिशी और तीन महिलाओं सहित कुल 19 उम्मीदवारों को ये सत्यापन नोटिस दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि जिन्हें नोटिस भेजे गए हैं उनमें भाजपा से जुड़े लोग भी हैं। आप नेता आतिशी ने कहा था कि उन्हें आयकर का नोटिस जारी कर दावा किया उन्हें डराने और धमकाने के लिए यह कार्रवाई की गई है। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि नोटिस जारी करने की कार्रवाई निर्वाचन आयोग (ईसी) के समक्ष उम्मीदवारों द्वारा दायर चुनावी हलफनामों के सत्यापन के लिए कर विभाग द्वारा अपनाने वाली प्रक्रिया का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि कुल 666 हलफनामों में से 19 को सत्यापन के लिए चुना गया था और पूरी प्रक्रिया एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का पालन करके की गई है,इस निर्वाचन आयोग के परामर्श से अंतिम रूप दिया गया था। सूत्रों ने कहा कि आप विधायक द्वारा अपने 2020 के चुनावी हलफनामे में घोषित संपत्ति और देनदारियों का कथित तौर पर पिछले लगभग 10 वर्षों की अवधि में दाखिल आयकर रिटर्न (आईटीआर) में उनके द्वारा प्रस्तुत आमदनी प्रोफाइल से मिलान नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि उनके आईटीआर में दिए विवरण चुनावी हलफनामे में दिए विवरण से कम हैं। सूत्रों ने कहा कि सत्यापन प्रक्रिया तथ्यों और आधिकारिक आंकड़ों के आधार पर की जा रही है। इसलिए, 19 उम्मीदवारों और उनके परिवार के सदस्यों से अतिरिक्त जानकारी और स्पष्टीकरण मांगा गया है, जिन्हें राजनीतिक रूप से सक्रिय व्यक्तियों के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला तिहाड़ जेल से रिहा

नई दिल्ली। जेबीटी जूनियर बेसिक ट्रेनिंग भर्ती घोटाले में 10 साल की सजा काट चुके हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) सुप्रीमो ओम प्रकाश चौटाला दिल्ली की तिहाड़ जेल से रिहा हो गए। चौटाला फिलहाल पैरोल पर बाहर थे और आज औपचारिक तौर पर उन्हें जेल से रिहा कर दिया गया है। इनेलो सुप्रीमो ने रिहाई के लिए जेल में पहुंच कर कागजी कार्रवाई पूरी की और कुछ देर बाद जेल से बाहर आ गए। तिहाड़ जेल से रिहाई के बाद इनेलो सुप्रीमो अपने गुरुग्राम स्थित आवास के लिए रवाना हो गए। इस दौरान दिल्ली-गुरुग्राम बॉर्डर पर सैकड़ों की तादाद में जुटे इनेलो कार्यकर्ताओं ने फूलों और नारों के साथ चौटाला का जोरदार स्वागत किया। इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के प्रदेश अध्यक्ष नफे सिंह राठी ने गुरुवार को बताया था कि ओम प्रकाश चौटाला की रिहाई के बाद हरियाणा की राजनीति में एक नए युग की शुरुआत होगी। उन्होंने कहा कि समाज के सभी वर्गों के लोग बेसब्री से इनेलो सुप्रीमो की रिहाई का इंतजार कर रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)